WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

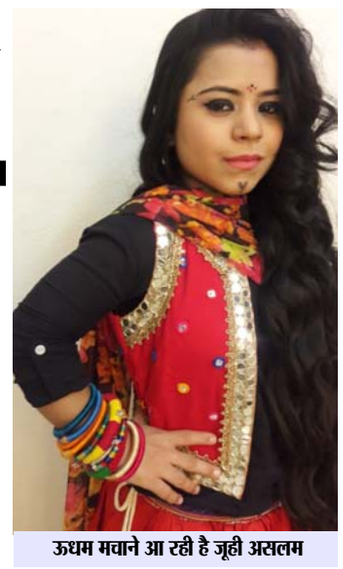

ऊधम मचाने आ रही है जूही असलम

वर्षः 01 अंक : 289 | लखनऊ, शुक्रवार, 09 अक्टूबर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

हम समाधान की धरती बनकर उभरे हैंः मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज इनवेस्ट इंडिया कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कोरोना वायरस समेत कई अहम मुद्दों पर अपनी बात रखी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया के लिए दवाखाना की भूमिका निभा रहा है, अब तक करीब 150 देशों को दवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना के बाद की दुनिया में आप कई तरह की दिक्कतों के बारे में सुनेंगे। मैन्युफैक्चरिंग, सप्लाई चेन, पीपीई आदि कि प्रॉब्लम के बारे में आप सुनेंगे। हालांकि भारत ने इन्हें प्रॉब्लम बनने नहीं दिया है। हम समाधान की धरती बनकर उभरे हैं।

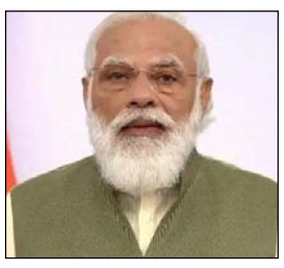

पीएम मोदी ने कहा कि भारत की स्थिति आज मजबूत है तथा कल और मजबूत होगी, हमने सरकारी संपत्ति और पेंशन कोष के लिए कर व्यवस्था उदार बनाई है, एफडीआई व्यवस्था को काफी उदार बनाया गया है। पीएम ने कहा कि आज भारत में माइंडसेट और मार्केट में बदलाव हो रहा है। कंपनी ऐक्ट के कई प्रावधानों को हमने डिरेग्युलराइज और डिक्रिमिनलाइज किया है। भारत ने एजुकेशन, लेबर और एग्रीकल्चर क्षेत्र में काफी सुधार किए हैं। आज वे सभी भारतीयों को प्रभावित करते हैं। इससे प्राइवेट सेक्टर की हिस्सेदारी सुनिश्चित हुई है। भारत विभिन्न क्षेत्रों में नियमन में ढील देने के रास्ते पर आगे बढ़ा रहा है, कंपनी कानून के तहत विभिन्न मामलों में अपराधों पर कठोर दंड को हल्का किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 5 वर्षों में वर्ल्ड बैंक की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रेटिंग में भारत 142 से 63 पर पहुंच गया है।

केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान नहीं रहे,74 साल की उम्र में दिल्ली में निधन

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान का गुरुवार को दिल्ली में निधन हो गया। वे 74 साल के थे। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार थे और दिल्ली के एस्कॉर्ट हॉस्पिटल में भर्ती थे। उनके बेटे चिराग पासवान ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी। रामविलास पासवान पिछले एक महीने से अस्पताल में भर्ती थे। एम्स में 2 अक्टूबर की रात को उनकी हार्ट सर्जरी की गई थी। यह पासवान की दूसरी हार्ट सर्जरी थी। इससे पहले भी उनकी एक बायपास सर्जरी हो चुकी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चिराग पासवान को फोन कर केंद्रीय मंत्री के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली थी।

दंगों के सरपरस्तों से रहें सावधानःयोगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं को दंगे के सरपरस्तों से होशियार रहने की हिदायत दी और कहा कि इन विकास विरोधी चेहरों को बेनकाब करने की जरूरत है। योगी ने बुलंदशहर सीट के उपचुनाव के सिलसिले में भाजपा के मण्डल, सेक्टर एवं बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं से वर्चुअल संवाद में विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विकास विरोधी लोग जाति के नाम पर लड़ा कर, शोषण और भ्रष्टाचार कर दंगाइयों को प्रश्रय देते हैं। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि मुजफ्फरनगर के दंगे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोग नहीं भूले होंगे और इसीलिए मैं आप सभी कार्यकर्ताओं का आह्वान करता हूं कि दंगे के सरपरस्तों से सावधान रहने की जरूरत है। इन विकास विरोधी चेहरों को बेनकाब करने की आवश्यकता है। योगी ने कहा ऐसे समय में, जब केंद्र और प्रदेश सरकारें भेदभाव किए बिना विकास की योजनाओं का लाभ हर नागरिक तक पहुंचा रही हैं, तब यह लोग गुमराह करके, षड्यंत्र करके, जातीय और सांप्रदायिक दंगों से अव्यवस्था, अराजकता, आगजनी और तोड़फोड़ को बढ़ावा दे रहे हैं। इन सब से सावधान रहने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि प्रदेश सरकार ने पिछले साढ़े तीन वर्षों के दौरान जो भी कार्य किए हैं, वे भाजपा के चुनावी घोषणा पत्र को ही व्यावहारिक धरातल पर उतारने का एक कार्यक्रम है। उन्होंने कहा ''इसी के जरिये युवाओं, महिलाओं और व्यापारियों समेत प्रत्येक तबके लिये कार्य हो रहा है। यह कार्य भाजपा के अलावा अन्य कोई दल नहीं कर सकता।

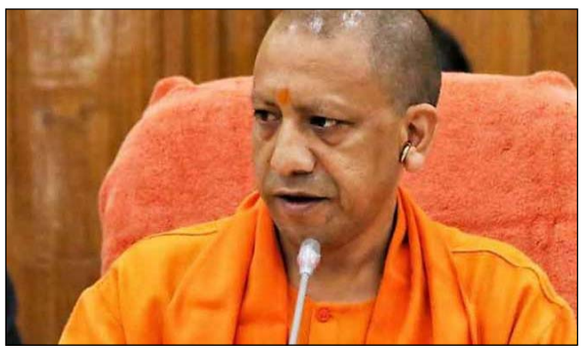

बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोगः उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने निजामुद्दीन मरकज घटना पर तब्लीगी जमात की रिपोर्टों के संदर्भ में कथित टीवी चैनलों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की याचिका पर गुरुवार को कहा कि हाल में 'बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी' के अधिकार का सबसे ज्यादा दुरुपयोग हुआ है। मुख्य न्यायाधीश एस ए बोबड़े की अध्यक्षता में न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमण्यम की पीठ ने जमीयत उलमा-ए-हिंद, पीस पार्टी, मस्जिद मदरसिया एवं वक्फ संगठन के डीजे हाल्ली तथा एक अन्य अब्दुल कुद्दस लस्कर की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह मंतव्य व्यक्त किया। पीठ ने याचिका के जवाब में केंद्र की ओर से प्रस्तुत हलफनामे पर कड़ा प्रतिवाद जताया और कहा कि यह एक जूनियर अधिकारी द्वारा दायर किया गया है और इसमें तब्लीगी जमात मुद्दे पर मीडिया रिपोर्टिंग के संबंध में अनावश्यक और निरर्थक बातें कही गयी हैं। पीठ ने कहा कि आप इस न्यायालय में ऐसा व्यवहार नहीं कर सकते। शीर्ष न्यायालय ने सचिव (सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय) से हलफनामा भी मांगा है। जमात की ओर से वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे ने न्यायालय ने कहा कि केंद्र ने अपने हलफनामे में कहा है कि याचिकाकर्ता बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन करने की कोशिश कर रहे हैं जिस पर पीठ ने कहा कि वे अपने हलफनामे में किसी भी तरह का टालमटोल करने के लिए वैसे ही स्वतंत्र हैं, जैसा कि आप कोई भी तर्क देने के लिए स्वतंत्र हैं।

अमेरिकी उद्योगों से भारत में निवेश का आह्वान किया पीयूष ने

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी उद्योगपतियों से भारत में निवेश करने का आह्वान करते हुए कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था गुणवत्तायुक्त उत्पादों, व्यापक स्तर पर वैश्विक पहुंच और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बड़ी हिस्सेदारी की ओर बढ़ रही है। श्री गोयल ने बुधवार देर रात अमेरिका में इंडिया चैम्बर ऑफ कॉमर्स के एक सम्मेलन को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार अर्थव्यस्था में व्यापक बदलाव के लिए प्रतिबद्ध है। अर्थव्यवस्था को खुला और मुक्त बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किये जा रहे आर्थिक सुधार इसी दिशा में कदम हैं। उन्होंने कहा कि एक साथ मिलकर काम करने से अमेरिका और भारत में समृद्धि आएगी। उन्होंने उम्मीद जतायी कि आने वाले वर्षों में भारत और अमेरिका के आपसी संबंध ज्यादा मजबूत होंगे। आत्मनिर्भर भारत अभियान का उल्लेख करते हुए श्री गोयल ने कहा कि दोनों देशों के संबंध मजबूत और व्यापक हैं।

हाथरसः वकील सीमा कुशवाहा ने उठाया सवाल-आरोपी कब से चिट्ठी लिखने लगे

हाथरस, एजेंसी। हाथरस कांड में रोज नई-नई बातें सामने आ रही हैं। बुधवार को आरोपी संदीप ने जेल से चिट्ठी लिखकर पीड़िता से दोस्ती का हवाला देते हुए खुद को निर्दोष बताया। गुरुवार को पीड़िता से मिलने पहुंची वकील सीमा कुशवाहा ने सवाल उठाया कि देश में आरोपी कब से चिट्ठी लिखने लगे। सीमा कुशवाहा ने हाथरस के कथित गैंगरेप केस में पीड़िता की ओर से निःशुल्क मुकदमा लड़ने का एलान किया है। उन्होंने कहा कि परिवार ने उन्हें जो कुछ बताया है उस आधार पर वह सबसे पहले कोर्ट में शपथ पत्र दाखिल करेंगी। काल डिटेल और आरोपी की चिट्ठी में आरोपी संदीप और पीड़िता के बीच दोस्ती की बात को खारिज करते हुए वकील सीमा कुशवाहा ने पूछा कि क्या किसी से जान-पहचान और परिचय होने से हत्या की छूट मिल जाती है। उन्होंने कहा कि उन्होंने काल डिटेल रिकार्ड (सीडीआर) नहीं देखा लेकिन यदि बातचीत हुई भी है तो इससे हत्या को कौन जायज ठहरा सकता है। उन्होंने कहा कि इस घटना से ध्यान भटकाने के लिए तरह-तरह की बातें की जा रही हैं।उन्होंने कहा कि आरोपी जेल से चिट्ठियां नहीं लिखते। पीड़ित को अपनी बात कहने का अधिकार है। शिकायत दर्ज करने और न्याय पाने का अधिकार है। आरोपी को कोर्ट में अपनी बात रखने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि वह न्याय के लिए लड़ रही हैं। जो दोषी है उसे सजा मिलनी चाहिए और जो निर्दोष हो उसे छूटना चाहिए। सीमा कुशवाहा दिल्ली के निर्भया केस में निर्भया की वकील थीं। उस केस में आरोपियों की ओर से मुकदमा लड़ने वाले वकील ए.पी.सिंह द्वारा इस केस में भी आरोपियों की ओर से खड़े होने के एलान पर सीमा कुशवाहा ने कहा कि कोर्ट में वे अपनी बात रखेंगे और हम अपनी बात।

कोरोना गाइडलाइंस में बदलाव, 12 चुनावी राज्यों में रैलियों की अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने कोरोना वायरस की गाइडलाइंस में गुरुवार को अहम बदलाव किया है। सरकार ने 12 चुनावी राज्यों में राजनीतिक रैलियों की तत्काल रूप से अनुमति दे दी है। इससे पहले गृह मंत्रालय ने 15 अक्टूबर के बाद से ही चुनावी राज्यों में रैलियों की अनुमति दी थी। सरकार के इस ऐलान से आगामी बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर भी असर पड़ेगा, क्योंकि कोविड-19 की पुरानी गाइडलाइंस के तहत बड़ी सभाओं की अनुमति नहीं थी, जिसके कारण राजनीतिक दल चुनावी रैलियों और सभाओं को आयोजित नहीं कर सकते थे। चुनाव आयोग ने पिछले दिनों कई राज्यों में चुनाव की घोषणा की थी। इन चुनावों में मुख्य रूप से विधानसभा चुनाव, कुछ सीटों पर उपचुनाव एवं एक सीट पर लोकसभा उपचुनाव शामिल है। बिहार में 28 अक्टूबर से तीन फेज में मतदान करवाए जाएंगे।

भारत के लिए प्रौद्योगिकीय वरीयता और आत्मनिर्भरता के लिए प्रयास करने का सही समयः डॉ निशंक

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा है कि भारत के लिए प्रौद्योगिकीय वरीयता और आत्मनिर्भरता के लिए प्रयास करने का यह सही समय है। डॉ निशंक ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये आंध्र प्रदेश के चित्तूर स्थित आईआईआईटी श्रीसिटी में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित टेक्नोलॉजी बिज़नेस इन्क्यूबेटर, ज्ञान सर्किल वेंचर्स - नवाचार एवं उद्यमिता विकास केन्द्र - का उद्घाटन किया और कहा कि भारत के लिए प्रौद्योगिकीय वरीयता और आत्मनिर्भरता के लिए प्रयास करने का यह सही समय है। उन्होनें कहा, भारत विश्व में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत को दो ट्रिलियन से तीन ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था बनने में केवल पांच वर्ष लगे। नवाचार वह साधन है जो इस प्रगति को संभव बनाता है। हमें आत्मनिर्भर बनने और विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के अति प्रतिस्पर्धी युग में अग्रणी बने रहने के लिए नवाचार और उद्यमिता को बढावा देना होगा। 'ज्ञान सर्किल वेंचर्स' जैसे केन्द्रों में युवाओं में उद्यमिता की भावना पैदा करने और उन्हें सफल नवाचार की ओर अग्रसर करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि उद्यमिता की भावना को ध्यान में रखते हुए 2020 में आईआईआईटी श्रीसिटी ने टीबीआई, ज्ञान सर्किल वेंचर्स का शुभारंभ किया। ज्ञान सर्किल वेंचर्स सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) द्वारा अनुमोदित टेकनोलोजी इन्क्यूबेशन एंड डेवलोपमेंट आफ एंटरप्रेन्योरशिप (टीआईडीई 2.0) के रूप में कार्य करेगा। डॉ निशंक ने बताया कि यह बिजनेस इन्क्यूबेटर कई विषयों में नवाचार और उद्यमिता का संवर्धन करता है जिनमें अवसंरचना विकास और स्मार्ट विनिर्माण शामिल हैं परंतु यह इन विषयों तक ही सीमित नहीं है।

देश में एक दिन में 83,011 कोरोना संक्रमित ठीक हुए, 78,524 नये मामले आए

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में पिछले 24 घंटे के दौरान 83,011 लोग कोरोना वायरस (कोविड-19) से ठीक हुए हैं, जबकि इस दौरान 78,524 नये लोग इस जानलेवा विषाणु की चपेट में आए हैं। इस तरह से देश में कोविड-19 के सक्रिय मामलों में 5, 458 की कमी आई है और अब यह घटकर 9,02,425 पर आ गया है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी किए आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले 24 घंटों में 83, 011 कोरोना मरीज ठीक हुए, जिन्हें विभिन्न अस्पतालों से छुट्टी दे दी गयी। देश में अब तक 58,27,704 लोग इस महामारी को मात दे चुके हैं। इसी अवधि में 78,524 नये लोगों के कोविड-19 से संक्रमित होने की पुष्टि होने के बाद संक्रमितों का आंकड़ा 68,35,656 हो गया है। इससे पहले रविवार को 82,259 कोरोना मरीज स्वस्थ हुए थे जबकि संक्रमण के 75,829 मामले आये थे। इसी तरह सोमवार को रिकवरी और संक्रमण के मामलों की संख्या क्रमशः 76,737 और 74,442 रही। मंगलवार को 75,787 लोगों ने इस जानलेवा विषाणु को मात, दी थी, जबकि 61,267 नये लोग इसकी चपेट में आए थे। बुधवार को 82,203 लोग इस महामारी से ठीक हुए थे, जबकि 72,049 नये लोग इसकी चपेट में आए थे। पिछले 24 घंटों में 971 संक्रमितों की मौत होने के बाद देश में अब तक इस महामारी से होने वाली मौतों का आंकड़ा 1,05,526 हो गया है। देश में इस समय कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 9.07,883 है। देश में इस समय मामलों का प्रतिशत 13.20 और रोगमुक्त होने वालों की दर 85.25 प्रतिशत है जबकि मृत्यु दर 1.54 फीसदी रह गयी है। कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 2,492 कम होकर 2,44,976 रह गये हैं, जबकि 355 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 39,072 हो गयी है। इस दौरान 16,715 लोग संक्रमणमुक्त हुए, जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 11,96,441 हो गयी।

कोरोना गाइडलाइंस में बदलाव, 12 चुनावी राज्यों में रैलियों की अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने कोरोना वायरस की गाइडलाइंस में गुरुवार को अहम बदलाव किया है। सरकार ने 12 चुनावी राज्यों में राजनीतिक रैलियों की तत्काल रूप से अनुमति दे दी है। इससे पहले गृह मंत्रालय ने 15 अक्टूबर के बाद से ही चुनावी राज्यों में रैलियों की अनुमति दी थी। सरकार के इस ऐलान से आगामी बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर भी असर पड़ेगा, क्योंकि कोविड-19 की पुरानी गाइडलाइंस के तहत बड़ी सभाओं की अनुमति नहीं थी, जिसके कारण राजनीतिक दल चुनावी रैलियों और सभाओं को आयोजित नहीं कर सकते थे। चुनाव आयोग ने पिछले दिनों कई राज्यों में चुनाव की घोषणा की थी। इन चुनावों में मुख्य रूप से विधानसभा चुनाव, कुछ सीटों पर उपचुनाव एवं एक सीट पर लोकसभा उपचुनाव शामिल है। बिहार में 28 अक्टूबर से तीन फेज में मतदान करवाए जाएंगे। इसके अलावा, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, हरियाणा, झारखंड, छत्तीसगढ़, मणिपुर, नागालैंड और ओडिशा में विधानसभा के उपचुनाव होने हैं। चुनाव के नतीजों का ऐलान 10 नवंबर को होगा। गृह मंत्रालय ने सभी राजनीतिक दलों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि वे कोविड-19 पर अंकुश लगाने के लिए किए गए सभी उपायों का पालन करें। इसने कहा गया है कि 30 सितंबर को जारी किए गए अपने दिशानिर्देशों के सभी नियमों का पालन करना होगा।

मुंबई पुलिस का दावा, रिपब्लिक टीवी ने पैसे देकर बढ़ाई टीआरपी

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई पुलिस ने फर्जी तरीके से टीवी चैनलों की टीआरपी बढ़ाने वाले रैकेट के भंडाफोड़ का दावा किया है। शहर के पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने कहा कि अर्नब गोस्वामी के स्वामित्व वाले रिपब्लिक टीवी समेत तीन चैनल पैसे देकर टीआरपी हासिल कर रहे थे। पुलिस ने कहा कि ये चैनल रेटिंग मीटर वाले घरों में 400 से 500 रुपये देकर टीआरपी हासिल कर रहे थे। हालांकि, अर्नब गोस्वामी ने मुंबई पुलिस के आरोपों को झूठा बताया है। रिपब्लिक टीवी के अलावा मराठी चैनल्स बॉक्स सिनेमा और फक्त मराठी पर पैसा देकर टीआरपी हासिल करने का आरोप लगा है। इन दोनों चैनलों के मालिकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुंबई पुलिस कमिश्नर ने कहा कि रिपब्लिक टीवी के डायरेक्टरों और प्रमोटरों की जांच फिलहाल नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि रिपब्लिक चैनल के कुछ कर्मचारियों को समन भेजेंगे। टेलीविजन इंडस्ट्री की रेटिंग जारी करने वाली एजेंसी बार्क के कॉन्ट्रैक्टर हंसा सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड की शिकायत पर मुंबई पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू की है। बार्क सूचना प्रसारण मंत्रालय और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण के अधीन काम करती है। टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट (बार्क) से यह पता लगाया जाता है कि किस चैनल के किस प्रोग्राम को कितने दर्शक देखते हैं। टीआरपी का पता लगाने के लिए चुनिंदा घरों में एक डिवाइस पीपल्स मीटर लगाया जाता है। पीपल्स मीटर उस घर के टीवी से जुड़ा होता है। पीपल्स मीटर के जरिये यह रिकॉर्ड किया जाता है कि कौन-सा प्रोग्राम या चैनल उससे कनेक्टेड टीवी पर कितनी बार और कितनी देर देखा जा रहा है।

भाजयुमो के नवान्न चलो अभियान के दौरान जमकर बवाल

पुलिस लाठीचार्ज में 1500 कार्यकर्ता घायल

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की ओर से गुरुवार को भ्रष्टाचार, बेरोजगारी समेत सात सूत्री मुद्दों को लेकर बंगाल की ममता सरकार के विरोध में राज्य सचिवालय नवान्न चलो अभियान के दौरान राजधानी कोलकाता व आसपास का इलाका दिनभर रणक्षेत्र बना रहा। हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता अलग-अलग हिस्सों से रैलियां लेकर नवान्न की तरफ बढ़े लेकिन पुलिस ने इसकी इजाजत नहीं दी और पहले ही जगह-जगह बैरिकेड लगा दिए गए थे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कई जगह बैरिकेड को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की जिसको लेकर पुलिस के साथ जमकर भिड़ंत हुई। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं पर जमकर लाठियां बरसाईं। उनके ऊपर वॉटर कैनन छोड़े गए एवं आंसू गैस के गोले भी दागे।? भाजपा का दावा है कि पुलिस की कार्रवाई में उसके 1500 से ज्यादा नेता व कार्यकर्ता घायल हुए हैं। वहीं, इस कार्रवाई में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव अरविंद मेनन, प्रदेश उपाध्यक्ष राजू बनर्जी सहित कुछ प्रमुख नेता भी जख्मी हुए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर पुलिस पर भी पत्थरबाजी की खबर है। दूसरी ओर, भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर पुलिस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह बंगाल के इतिहास का सबसे काला दिन है। उन्होंने कहा कि बंगाल में अगले साल जबतक भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार नहीं बन जाती उनका आंदोलन जारी रहेगा। सूर्या ने यह भी दावा किया कि पुलिस ने वाटर कैनन की जगह भाजपा कार्यकर्ताओं पर केमिकल का छिड़काव किया। उन्होंने राज्य व केंद्र सरकार से इसकी जांच की मांग की। हालांकि राज्य के मुख्य सचिव ने केमिकल के छिड़काव के आरोपों को खारिज किया है।

ओवैसी के साथ बिहार में बना नया गठबंधन उपेंद्र कुशवाहा मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार

पटना, एजेंसी। विधानसभा चुनाव के लिए बिहार में एक नया गठबंधन बना है। इसमें असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) और मायावती की बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के साथ ही समाजवादी दल डेमोक्रेटिक, जनतांत्रिक पार्टी सोशलिस्ट और रालोसपा शामिल है। इस गठबंधन को ग्रैंड डेमोक्रेटिक सेक्युलर फ्रंट नाम दिया गया है। रालोसपा अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा को इस गठबंधन का मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित किया गया है। गुरुवार को पटना में हुई इन सभी दलों की एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया गया। इस दौरान उपेंद्र कुशवाहा ने बताया कि इस फ्रंट के संयोजक देवेंद्र यादव होंगे और सभी दल एक साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे। बता दें कि देवेंद्र यादव की पार्टी के साथ असदुद्दीन ओवैसी ने पहले ही गठबंधन का ऐलान कर दिया था। महागठबंधन से अलग होने और एनडीएम में शामिल होने की नाकाम कोशिशों की बाद उपेंद्र कुशवाहा भी इसमें शामिल हो गए हैं। उपेंद्र कुशवाहा को इस फ्रंट के मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में अपना समर्थन देने के बाद ओवैसी ने कहा कि पिछले 30 सालों की सरकार से बिहार को कोई लाभ नहीं हुआ है। ओवैसी ने कहा कि नीतीश कुमार और बीजेपी के 15 साल और राजद कांग्रेस के 15 साल के शासन के बाद भी बिहार के गरीबों की स्थिति जस की तस है। राज्य सामाजिक, आर्थिक और शिक्षा के क्षेत्र में अभी भी पीछे है। हमने बिहार के भविष्य के लिए इस गठबंधन को बनाया है और हमारी कोशिश होगी कि हम सफल हों। इस मौके पर उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि बिहार में महागठबंधन और एनडीए दोनों फेल हैं। नीतीश कुमार के 15 साल के शासन में राज्य और पीछे ही गया है।

घर के बाहर खेल रही 8 साल की मासूम का गांव के युवक ने किया रेप

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में मासूम बेटियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। हाथरस, बलरामपुर, लखीमपुर सहित यूपी के तमाम जिलों में बेटियों के साथ दरिंदगी की घटनाएं सामने आई हैं। इस पर पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई कर रही है। ताजा मामला यूपी की राजधानी लखनऊ का है। यहां एक 8 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि घर के बाहर खेल रही मासूम बच्ची को गांव का ही एक युवक बहला-फुसलाकर गांव के बाहर कुटी में ले गया और यहां उसके साथ दुष्कर्म किया। शोर मचाने पर आरोपी ने उसका मुंह दबा दिया और धमकी दी। घटना को अंजाम देकर आरोपी मौके से भाग गया। पीड़िता की मां ने पुलिस को इस बारे में सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और मासूम बच्ची को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया। मासूम की मां की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। सीओ निगोहा नईमुल हसन ने बताया कि थाना क्षेत्र के मस्तीपुर गांव के निवासी नीरज यादव पुत्र रमेश यादव गांव के बाहर खेल रही एक 8 वर्षीय बालिका को बहला-फुसलाकर गांव के बाहर कुटी में ले गया और मासूम के साथ दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि पीड़िता की मां ने इस संबंध में 112 नंबर पर गुरुवार की सुबह 8.30 बजे सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा। पीड़िता की मां की तहरीर के आधार पर पुलिस ने दुष्कर्म, एससी,एसटी और पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर अभियुक्त नीरज यादव (19) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। सीओ ने बताया कि गांव में कानून,शांति व्यवस्था सम्बन्धी कोई समस्या नहीं है।

डीआईजी अरविन्द सेन ने निलंबन बाद किये ट्रान्सफर,जाँच की मांग

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने निलंबित डीआईजी अरविन्द सेन द्वारा किये गए मनमाने तथा विधिविरुद्ध तबादलों की जाँच की मांग की है। एसीएस होम अवनीश अवस्थी तथा डीजीपी यूपी एच सी अवस्थी को भेजे पत्र में नूतन ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने कोविड महामारी के मद्देनजर 12 मई 2020 के शासनादेश द्वारा स्थानांतरण वर्ष 2020-21 के लिए सभी प्रकार के तबादलों पर रोक लगा दी थी। इसके बाद भी अरविन्द सेन ने डीआईजी पीएसी आगरा सेक्टर के रूप में 04 जून 2020 को 01 इंस्पेक्टर तथा 01 दलनायक सहित कुल 09 पीएसी कर्मियों का तबादला किया, जो पूरी तरह गैरकानूनी था। शासन ने 02 जुलाई 2020 के शासनादेश द्वारा पुलिस विभाग में तबादलों के लिए विशेष व्यवस्था की, जिसके अनुसार दरोगा और उसके नीचे के कर्मियों का तबादला एडीजी स्थापना की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा ही की जा सकती थी. इसी बीच शासन ने उन्हें 22 अगस्त को पशुपालन घोटाले में निलंबित कर दिया लेकिन निलंबन के बाद भी उन्होंने 02 जुलाई के शासनादेश का पूरी तरह उल्लंघन करते हुए 24 अगस्त को अपने स्तर से ही 11 पीएसी कर्मियों के तबादले किये।

कस्तूरबा गांधी विद्यालय के शिक्षकों ने नारेबाजी कर किया प्रदर्शन

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में कस्तूरबा गांधी विद्यालय के शिक्षक दृ शिक्षिकाओं ने हजरतगंज में जोरदार प्रदर्शन कर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी सीएम आवास का घेराव करने जा रहे थे तभी पुलिस ने उन्हें रोक लिया और बस में भरकर गिरफ्तारी कर आशियाना के इको गार्डन ले गई। प्रदर्शनकारियों ने शासनादेश द्वारा के.जी.बी.वी के शिक्षक शिक्षिकाओं की संविदा समाप्ति और उससे उत्पन्न विसंगतियों के संबंध में प्रदर्शन किया। विभिन्न कस्तूरबा विद्यालय से आए शिक्षक, कर्मचारियों ने राज्य परियोजना निदेशक के विरुद्ध आवाज बुलंद की। प्रदर्शन कारियों ने भीख नहीं हमें न्याय चाहिए, शिक्षक शिक्षिकाओं का सम्मान चाहिए। कैसा है अजीब बर्ताव, शिक्षक शिक्षिकाओं के प्रति हो रहे भेदभाव.., हम को यह मंजूर नहीं विषय कोई भी गौण नहीं जैसे स्लोगन के नारे लगाए। कस्तूरबा विद्यालय के शिक्षकों ने राज्य परियोजना निदेशक पर शासनादेश के विधि विरुद्ध कार्य किए जाने का आरोप लगाया।

अखिलेश ने जयप्रकाश नारायण की पुण्यतिथि पर नमन किया

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण की पुण्यतिथि पर जयप्रकाश जी को शतशः नमन करते हुए कहा कि गांधी जी के विचारों और जीवन दर्शन को बहुत हद तक लोकनायक जयप्रकाश जी ने व्याख्यायित किया है। उनका कहना था कि अगर मानवता को पूंजी और सत्ता की हिंसा से मुक्ति दिलानी है तो समाजवाद का सपना देखना ही होगा। अखिलेश यादव ने कहा कि जयप्रकाश जी भारतीय राजनीति के आदर्श पुरूष थे। उनका जीवन सादगी से परिपूर्ण था। उनमें सत्ता की लिप्सा नहीं थी। गांधी जी भी जयप्रकाश जी के साहस और देशभक्ति के प्रशंसक थे। देश में जब आपातकाल लगा तो लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई का नेतृत्व उन्होंने ही किया था।

कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए एलडीए कर्मियों ने लिया शपथ

लखनऊ, संवाददाता। विकास प्राधिकरण के अधिकारियों,कर्मचारियों द्वारा आज प्राधिकरण के उपाध्यक्ष शिवाकान्त द्विवेदी के नेतृत्व में कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव रखने के सम्बन्ध में शपथ ली गयी। इस अवसर पर प्राधिकरण की संयुक्त सचिव ऋचु सुहास, डी.एम. कटियार एवं अधिशासी अभियन्तागण तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

पीसीएस की प्रारंभिक परीक्षा 11 अक्टूबर को

लखनऊ, संवाददाता। यूपी लोक सेवा आयोग ने पीसीएस की प्रारंभिक परीक्षा का कार्सेयक्रम घोषित केर दिया है, पीसीएस 2020 की प्रारंभिक परीक्षा 11 अक्टूबर को परीक्षा होगी ,जिसको लेकर 19 जिलों में बनाए1282 परीक्षा केन्द्र बनाए गए, 1282 परीक्षा केन्द्र पर आयोजित होगी परीक्षा, मिली जानकारी के अनुसार प्रयागराज में148,लखनऊ में 120 परीक्षा केन्द्र,5 लाख 95 हजार 696 अभ्यर्थियों ने किया आवेदन, दो पालियों में आयोजित परीक्षा आयोजित होगी।

लाल जी टण्डन फाउण्डेशन की स्थापना

लखनऊ, संवाददाता। लाल जी टण्डन की स्मृतियों को चिरस्थायी रखने के लिये बना 'लाल जी टण्डन फाउण्डेशन'। उत्तर प्रदेश के वरिष्ठतम राजनेता एवं बिहार मध्यप्रदेश के राज्यपाल रहे स्व0 लाल जी टंडन की स्मृति जीवन्त रखने के लिये आज लखनऊ में एक फाउण्डेशन की स्थापना की गई। स्व0 लाल जी टंडन लखनवी संवेदनशीलता के प्रतीक, संवेदनशील सामाजिक कार्यकर्ता, दूरदर्शी राजनेता, सांस्कृतिक-साहित्यिक गतिविधियों के संरक्षक के रूप में जाने जाते थे। उनके इन बहुआयामी व्यक्तित्व के अनुरूप फाउण्डेशन जनसेवा के कार्यो को कार्यान्वित करेगा। नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन गोपाल जी इस फाउण्डेशन के ट्रस्टी, अध्यक्ष होंगें। पूर्व मुख्य सचिव अतुल कुमार गुप्ता ट्रस्टी,उपाध्यक्ष, राज्यसभा सांसद श्री संजय सेठ ट्रस्टी,कोषाध्यक्ष, प्रदीप भार्गव ट्रस्टी,सचिव होंगें।

निर्माणाधीन हर्ल कारखाने दो यूनियन की संयुक्त बैठक

लखनऊ, संवाददाता। ऑल फर्टिलाइजर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया वी एस एस एंप्लाइज एसोसिएशन और खाद्य कारखाना विस्थापित किसान कल्याण समिति की संयुक्त बैठक कैंप कार्यालय राजेंद्र नगर में हुई। दोनों संघों का आरोप है कि हर्ल के जीएम वीके दीक्षित अपनी मनमानी कर रहे हैं और दिए आदेशों का पालन नहीं कर रहे हैं। इसे लेकर संगठन के सदस्यों ने सांसद रवि किशन शिव प्रताप शुक्ला एवं प्रवीण निषाद से मुलाकात भी की थी। लेकिन मामला सिफर रहा। इस बैठक में हर्ल में निर्माणाधीन खाद्य कारखाने में अपने पूर्व कर्मचारियों के आश्रितों को नौकरी दिए जाने की मांग की है। इस दौरान कर्मचारी संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष केपी त्रिपाठी ने बताया कि बीते वर्ष उन्होंने उर्वरक एवं रसायन मंत्री सदानंद गौड़ा से संगठन के पदाधिकारियों के साथ दिल्ली में हुई बैठक में कर्मचारियों के बकाया भुगतान को देने का आश्वासन दिया था।

हवाला कारोबारी के घर से 1.1 करोड़ रुपये नगद, 5.45 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा बरामद

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में उस समय हड़कंम मच गया जब हवाला कारोबारी के घर पर पुलिस ने छापा मारा। हवाला कारोबारी के यहां से पुलिस ने 1.1 करोड़ रुपये भारतीय मुद्र के साथ 5.45 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा भी बरामद की है। मौके पर पुलिस ने हवाला कारोबारी राजेश जायसवाल को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की छानबीन में पुलिस जुटी हुई है, इतने रूपये कहा से आए है इसके बारे में पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। जानकारी के मुताबिक मामला राजधानी लखनऊ के का बताया जा रहा है। जहां पर एक हवाला कारोबारी के घर डी आरआई ने लोकल पुलिस के साथ छापा मारा तो मौके से1.1 करोड़ रुपये नगद,5.45 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा बरामद की गई है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि विधि कार्रवाई कर के आरोपी को जेल भेज दिया जाएगा।

जमीन दिलाने के नाम पर फंसा रिटायर्ड फौजी, 70 लाख रुपये ठगे, मारपीट

लखनऊ, संवाददाता। मोहनलालगंज के मऊ ग्राम पंचायत में जालसाजों ने मोहनलालगंज बनी मुख्य मार्ग पर जमीन बताकर पीछे की जमीन को 33 लाख रूपये में रिटायर्ड फौजी को बैनामा करा दिया। दो माह पूर्व अपने साथ धोखे की जानकारी पर आरोपी दबंगों से शिकायत करने पहुंचे रिटार्यड फौजी को आरोपियों ने मारपीट कर भगा दिया। इस मामले मे पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुट गयी। पुलिस के मुताबिक, सेना से रिटायर्ड फौजी छुटकऊ पुत्र सत्तीदीन निवासी केशवनगर रावतपुर, कल्याणपुर, कानपुर ने लिखित तहरीर देकर बताया कि सेना रिटायर्ड होने के बाद वर्ष 2017 में मोहनलालगंज से बनी रोड पर स्थित मऊ में स्थित भूमि को आरोपी अशोक कुमार पुत्र रामआसरे निवासी मौरावां रोड मोहनालगंज से अपनी पत्नी विजय लक्ष्मी के नाम क्रय किया। आरोपी ने इस भूमि को पीडित को यह बताकर बेचा कि यह भूमि मोहनलालगंज से बनी रोड पर स्थित है, जो कि उपनिबधंक मोहनलालगंज के यहा दर्ज बैनामे की चौहद्दी में भी क्रय किया गया प्लाट मोहनलालगंज से बनी रोड पर दर्शाया गया। जिसके बाद पीडित ने अपने प्लाट की बाउंड्री बनाकर निश्चिंत हो गया। बीते दो माह पूर्व प्लाट से रोड वाली साइड पर ऋषि द्विवेदी ने निर्माण शुरू किया।जिसका विरोध फौजी ने किया तो ऋषि द्विवेदी ने बताया कि यह उनकी पैतृक भूमि है और जो प्लाट आपने क्रय किया वह मेरे प्लाट के पीछे है। जिसके बाद अपने साथ हुए धोखे की शिकायत करने पीडित आरोपी के घर पहुंचा तो आरोपी अशोक कुमार अपने दो अन्य भाईयों राम किशोर और दिनेश कुमार के साथ मिलकर फौजी की लात घूंसों से पिटाई कर दी। जिसके बाद कोतवाली पहुंचे पीड़ित ने आरोपियों के पुलिस को तहरीर देकर कानूनी कारवाई की मांग की। इंस्पेक्टर जीडी शुक्ला ने बताया कि पीडित की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ धोखा धड़ी सहित मारपीट की धाराओं में पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है।

राष्ट्रीय, राज्यीय दलों के स्टार प्रचारकों की सीमा अब 40 के स्थान पर 30

लखनऊ, संवाददाता। भारत निर्वाचन आयोग ने कोविड-19 महामारी के दौरान होने वाले निर्वाचनों को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, पारदर्शी, नैतिक तथा सुरक्षित सम्पन्न कराने हेतु स्टार प्रचारकों के मानक के सम्बन्ध में संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए है। यह जानकारी प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने आज यहां दी है। उन्होंने बताया कि मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय,राज्यीय दलों के स्टार प्रचारकों हेतु अधिकतम सीमा 40 के स्थान पर 30 तथा अमान्यता प्राप्त रजिस्ट्रीकृत राजनैतिक दलों हेतु यह सीमा 20 के स्थान पर अधिकतम 15 होगी। स्टार प्रचारकों की सूची सौंपे जाने की अवधि अधिसूचना की तिथि से 07 दिनों के स्थान पर बढ़ाकर 10 दिन होगी। समस्त सम्बन्धित की सुरक्षा के दृष्टिगत स्टार प्रचारकों द्वारा प्रचार प्रारम्भ करने के न्यूनतम 48 घंटे पूर्व जिला निर्वाचन प्राधिकारी से प्रचार की अनुमति हेतु अनुरोध प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने आयोग के निर्देशों को उपचुनाव होने वाले जनपदों अमरोहा, बुलन्दशहर, फिरोजाबाद, उन्नाव, कानपुर नगर, देवरिया तथा जौनपुर के रिटर्निंग ऑफिसर, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर तथा निर्वाचन से जुड़े सभी संबधित के संज्ञान में लाते हुए।

भाजपा का एजेण्डा विपक्षी जनप्रतिनिधियों एवं नेताओं का उत्पीड़न करना: अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा अपनी झूठ की फसल को लहलहाने में छल प्रपंच का खाद-पानी देकर समझती है कि जनता उसकी सच्चाई नहीं जान पाएगी। पर हकीकत में अब भाजपा की कोई चाल सफल होने वाली नहीं है। कानून व्यवस्था कायम रखने में भाजपा पूरी तरह विफल है। भाजपा का एजेण्डा विपक्षी जनप्रतिनिधियों एवं नेताओं का उत्पीड़न करना और अपमानित करना है। भाजपा सत्ता का दुरूपयोग कर गरीबों की आवाज को कुचलने और बदनाम करने में लगी है। जनता इस सबकी जवाबदेही लेगी। मुख्यमंत्री जी बड़े बड़े वादे करते हैं और फिर उन्हें जुमला बताकर इज्जत पर पड़े दाग छुपा लेने में माहिर है। इधर उन्होंने एक करोड़ श्रमिकों को रोजगार देने की घोषणा कर दी। इसमें कितनी सच्चाई है इससे जाहिर है कि अपनी रोजी-रोटी के लिए प्रवासी मजदूर फिर प्रदेश से बाहर जाने के लिए मजबूर हैं। गांव-शहर में रोजगार होता तो बुन्देलखण्ड से पहली टेऊन से एक हजार मजदूर मुम्बई जाने वाली ट्रेन में क्यों सवार होते? प्रदेश से बाहर जाने वाले यातायात के साधनों में प्रवासी मजदूरों की भीड़ फिर पलायन करते दिख रही है। अगर मुख्यमंत्री जी ने रोजगार दिया होता तो गांव-घर छोड़कर लोग क्यों जाते? प्रदेश में व्यापारिक गतिविधियों में गति नहीं है। निवेश सम्मेलनों के नतीजे सामने नहीं आ रहे हैं। नए उद्योग लग नहीं रहे हैं, पुराने बंद होते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी यह नहीं बताते कि प्रदेश में कौन उद्योग लगे हैं, किन बैंकों ने किन उद्यमियों को कर्ज दिया है और किस उद्योग में किस-किस श्रेणी के कर्मचारियों की भर्ती हुई है?

अर्न्तराष्ट्रीय बालिका दिवस पर जागरूकता गतिविधियों का आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने बताया कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं योजनान्तर्गत दिनांक 11 अक्टूबर 2020 को अर्न्तराष्ट्रीय बालिका दिवस, संयुक्त निदेशक, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार नई-दिल्ली के पत्र के द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति 11 अक्टूबर को अर्न्तराष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया जाना है। उन्होंने बताया कि जनपद में दिनांक 11 अक्टूबर 2020 को अर्न्तराष्ट्रीय बालिका सप्ताह मनाते हुये विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कराया जाना है, जिनका विवरण निम्नवत् है- समस्त सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा अर्न्तराष्ट्रीय बालिका दिवस पर स्लोगन, लेखन, पेंटिंग आनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन कराया जाना, समस्त ग्राम पंचायतों में ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में अर्न्तराष्ट्रीय बालिका दिवस पर जागरूकता गतिविधियों का आयोजन कर यथा नारी चौपाल, मां बेटी मेला, नुक्कड़ नाटक, कठपुतली शो, कव्वाली के माध्यम से प्रचार-प्रसार कराया जाना, समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों बाल महिला चिकित्सालयों में चिकित्सा शिविर एवं सेनिटेशन दिवस का आयोजन कराते हुए कन्या जन्मोत्सव मनाया जाए, बाल विकास परियोजना अधिकारी के सहयोग से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा बालिकाओं और उनके अभिभावको को कोविड से बचाव के उपाय बताते हुये डोर स्टीकर, पैम्फैलट चस्पा कराया जाना है। उन्होंने बताया कि उक्त गतिविधियों का आयोजन कोविड-19 वैश्विक महामारी के दृष्टिगत समय-समय पर जारी अथवा वर्तमान में भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों का अनुपालन करते हुए कराये जाने तथा गतिविधियों से संबंधित फेटो, रिपोर्ट आख्या कार्यालय जिला प्रोबेशन अधिकारी लखनऊ, महिला शक्ति केन्द्र लखनऊ को ई-मेल आई0डी0 पर प्रेषित की जायेगी।

प्रदेश सरकार कोविड-19 संक्रमण के बावजूद औद्योगिक गतिविधियों को लगातार चला रही

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने आज यहां लोक भवन में प्रेस प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कोविड-19 जन जागरूकता के लिए एक जन आंदोलन अभियान का शुभारम्भ किया है। प्रधानमंत्री ने सभी लोगों से कोरोना के खिलाफ लड़ाई में एकजुट होने की अपील की है। उसी क्रम में आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टीम-11 की बैठक में उपस्थित मंत्रियों और शासन के वरिष्ठ अधिकारियों को मा0 प्रधानमंत्री जी के जन आंदोलन अभियान में जुड़ने के लिए संकल्प,शपथ दिलायी तथा प्रदेश के सभी जनपदों में भी जगह-जगह यह शपथ दिलायी गयी है। इसके लिए पूरा अभियान चलाया जायेगा कि प्रधानमंत्री का अभियान,आह्वाहन को घर-घर, गांव-गांव पहुचाया जाए। कोविड-19 से जीतने के लिए प्रधानमंत्री के संदेश ''मास्क पहनने, बार-बार हाथ धोएं, सामाजिक दूरी का अनुपालन करे और दो गज की दूरी'' का अभ्यास करे। कोरोना के विरूद्ध लड़ाई जीतने के लिये हम सब मिलकर प्रधानमंत्री के आह्वाहन को सफल बनाये। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थान पर मॉस्क न पहनने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। श्री सहगल ने बताया कि प्रदेश में कोविड-19 संक्रमण के केस कम हो रहे है ऐसे समय में अत्यधिक सावधानी की आवश्यकता है। प्रदेश में कोविड-19 टेस्टिंग का कार्य तेजी से किया जा रहा है। प्रदेश में कल एक दिन में कुल 1,67,082 सैम्पल की जांच की गयी। प्रदेश में अब तक कुल 1,13,75,818 सैम्पल की जांच की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले 24 घंटें में कोरोना से संक्रमित 3,376 नये मामले आये हैं। प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 3,690 व्यक्ति उपचारित होकर डिस्चार्ज किये गये हैं। अब तक कुल 3,78,662 लोग पूर्णतया उपचारित होकर डिस्चार्ज किये गये। प्रदेश में रिकवरी का प्रतिशत अब बढ़कर 88 प्रतिशत से अधिक है। प्रदेश में 42,552 कोरोना के एक्टिव मामले हैं। होम आइसोलेशन में 20,205 लोग हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सर्विलांस टीम दिवस के माध्यम से 1,34,416 क्षेत्रों में 4,07,653 टीम दिवस के माध्यम से 2,64,75,575 घरों के 13,09,33,888 जनसंख्या का सर्वेक्षण किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में आज 14,834 हॉट स्पॉट एरिया है। उन्होंने कहा कि हॉट स्पॉट एरिया में 224 की कमी आयी है। प्रदेश के 15,047 कन्टेनमेंट जोन के 1,165 थानान्तर्गत, 10,91,008 मकानों के 60,27,045 लोगों को चिन्हित किया गया है। श्री सहगल ने बताया कि कोरोना की वजह से जो आर्थिक गतिविधियाँ प्रभावित हुयी थी।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में मण्डलीय उद्योग बन्धु की बैठक सम्पन्न

लखनऊ, संवाददाता। मण्डलायुक्त रंजन कुमार की अध्यक्षता में मण्डलीय उद्योग बन्धु की बैठक मण्डलायुक्त कार्यालय सभागार में सम्पन्न हुयी, जिसमें संयुक्त आयुक्त उद्योग पवन अग्रवाल सहित सभी सम्बन्धित अधिकारी व उद्योग एशोसियेशन के पदाधिकारी तथा उद्यमी उपस्थित थे। बैठक में औद्योगिक क्षेत्र चिनहट में अग्निशमन केन्द्र की स्थापना के सम्बन्ध में फायर सर्विस के अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि वास्तुविदीय दृष्टिकोण से परीक्षणोपरान्त की गयी अपेक्षानुसार मानचित्र मुख्यालय को उपलब्ध कराया गया था जिसे शासन में अनुमोदन हेतु भेजा गया है जिसके लिये मण्डलायुक्त ने निर्देश दिये कि हमारी तरफ से एक रिमाण्डर शासन को प्रेषित किया जायें, जिससे शीघ्र अग्निशमन केन्द्र की स्थापना करायी जा सके। डी0एस0आर0एम0 के सामने रोड़ नं0-4 पर 200 मीटर के पैच को ठीक कराये जाने के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि टेण्डर कर दिया गया है जो 17 अक्टूबर को खोला जायेगा जिसके पश्चात पैच को ठीक कराये जाने की कार्यवाही की जायेगी। उद्यमियों की समस्या विद्युत एवं उर्जा शुल्क को घटाये जाने के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया कि उपरोक्त प्रकरण को राज्य स्तरीय उद्योग बन्धु समिति में संदर्भित कर दिया जाये तथा उद्यमियों द्वारा उर्जा शुल्क का एक मैट्रिक्स टेबल तैयार कर लिया जाये जिससे शासन में प्रभावी पैरवी कर प्रकरण का निस्तारण कराया जा सके। मै0 लाइफ विज मेडीकेयर प्रा0लि0 का प्रकरण समय विस्तार शुल्क की माफी के सम्बन्ध में यू0पी0सी0डा0 को निर्देशित किया गया कि शासनादेश का अध्ययन कर नियमानुसार यदि समय विस्तारण शुल्क में कोई लाभ मिल सकता है तो नये सिरे से समय विस्तारण शुल्क निर्धारित कर, शुल्क जमा कराकर भू-खण्ड आवन्टी को हस्तनान्तरित करा दिया जायें।

कोविड-19 के दृष्टिगत लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज मेरठ व कानपुर नगर में विशेष सतर्कता बरती जाए

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोविड-19 के दृष्टिगत जनपदों में स्थापित किए गए इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर को पूरी सक्रियता व क्षमता से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जनपद लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज, मेरठ व कानपुर नगर में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि इन जनपदों में मृत्यु दर में कमी लायी जाए। कोविड अस्पतालों में सीनियर डॉक्टर्स राउण्ड लेते रहें। उन्होंने कहा कि राज्य में कोविड-19 संक्रमण की दर को नियंत्रित करने में सफलता मिली है। इस सफलता को हर हाल में बनाए रखते हुए संक्रमण को और कम करने के सक्रिय प्रयास निरन्तर जारी रखे जाएं। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर, 2020 तक नवरात्रि के दौरान महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान के दृष्टिगत पुलिस विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि इस अभियान के तहत शिक्षा, बाल विकास तथा महिला कल्याण विभाग को भी जोड़ते हुए कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री ने 10 अक्टूबर से 16 अक्टूबर, 2020 तक स्वच्छता एवं सेनिटाइजेशन का एक विशेष अभियान चलाए जाने निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके तहत कूड़े निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। एन्टी लार्वा तथा चूने इत्यादि का छिड़काव हो। इससे डेंगू व अन्य बीमारियों को नियंत्रित करने में सफलता मिलेगी। उन्होंने स्वच्छता व सेनिटाइजेशन अभियान के साथ जनप्रतिनिधियों को भी जोड़े जाने की बात कही। मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत अन्तर्विभागीय समन्वय करते हुए जनपदों में सड़क व यातायात सुरक्षा के कार्यक्रम संचालित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 15 अक्टूबर को वर्ल्ड हैण्ड वॉश डे होता है। इस सम्बन्ध में जागरूकता के लिए बेसिक, माध्यमिक, प्राविधिक एवं उच्च शिक्षा विभाग से समन्वय बनाते हुए कार्यक्रम किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण रोजगार अभियान के तहत अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित किए जाने की कार्ययोजना बनायी जाए। उन्होंने इन्वेस्टर्स समिट के तहत हुए एम0ओ0यू0 तथा निवेश के सम्बन्ध में उद्यमियों व निवेशकों से संवाद व समन्वय बनाते हुए शीघ्र कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि तीन वर्गों के तहत निवेशकों से संवाद स्थापित किया जा रहा है। पहले वर्ग में वे निवेशक हैं, जिनकी परियोजनाओं का क्रियान्वयन अन्तिम चरण में है।

आनलॉइन उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन से जल्द घोषित किया जायेगा परीक्षा परिणाम

लखनऊ, संवाददाता। डिजिटल इण्डिया भारत सरकार की पहल के क्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रेरणा से उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा विभाग ने पहली बार डिप्लोमा सेक्टर में प्रश्नपत्रों का डिजिटली (आनलॉइन) संप्रेषण और उत्तर पुस्तिकाओं की डिजिटल मूल्यांकन की व्यवस्था की है। सम समेस्टर (अंतिम समेस्टर) वार्षिक परीक्षा (अंतिम वर्ष)ध् बैक पेपर, विशेष बैक पेपर परीक्षा के ऑनलाइन सफलतापूर्वक आयोजन को छात्रों ने भी सराहा है। यह जानकारी प्राविधिक शिक्षा विभाग की अपर मुख्य सचिव एस0 राधा चौहान ने दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष प्रदेश में डिजिटल प्रक्रिया के अन्तर्गत 25 सितम्बर से 12 अक्टूबर, 2020 तक 186 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षाएं आयोजित हो रही है, जिसमें कुल 75 हजार परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे है। उन्होंने बताया कि प्राविधिक शिक्षा विभाग द्वारा पहली बार लिखित उत्तर पुस्तिकाओं का डिजिटल मूल्यांकन पाइलट प्रोजेक्ट के रूप में करने की व्यवस्था की गयी है। पूर्व में उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन मैनुअल होने के कारण इस पर भारी धनराशि व्यय होती थी। अब डिजिटली मूल्यांकन से तथा नवतकनीकि का प्रयोग कर सुरक्षा के दृष्टिकोण से उत्तर पुस्तिकाओ, आनलॉइन संप्रेषण होने से राजस्व के साथ ही समय की भी काफी बचत हुयी, इसके साथ ही परीक्षा कार्यों में लगे कार्मिकों को भी सुविधा मिली है। श्रीमती चौहान के अनुसार परीक्षा केन्द्रों को आनलाइन प्रश्न पत्र भेजने की प्रक्रिया से लोगों को परिचित कराने हेतु ए0के0टी0यू0, लखनऊ के सहयोग से मॉक टेस्ट की प्रक्रिया आयोजित की गयी, इसके तहत विभागीय क्षेत्रीय संयुक्त निदेशक और प्रधानाचार्यों की ऑनलाइन प्रश्न पत्र संप्रेषण सबंधी महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि प्रश्न पत्रों के ऑनलाइन संप्रेषण हेतु कुल 186 परीक्षा केन्द्रों में से 103 राजकीय, 18 अनुदानित तथा 65 निजी क्षेत्र के संस्थाओं को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है।

मौत का दावत दे रही सड़क के सरपत सरकंडे

सड़क पर चलना हुआ मुस्किल, नही दिखाई पड़ रही सड़क

प्रयागराज। क्षेत्र में सड़क की पटरी में कार्य तो हो रहा है,लेकिन उसी जगह पर हो रहा है जहाँ पहले से ही सड़क की पटरी साफ सुथरी पहले है।क्षेत्र की पी डब्लू डी की सड़क चिल्ला मोड़ जसरा से चिल्ला गौहानी को जाने वाली 7 किलोमीटर की सड़क पर एक किलोमीटर तक परसरा मोड़ से सूर बाबा तक पूरी सड़क पर सरपत सरकंडे से ढक चुकी है।उसी सड़क पर बिभाग की पैचिंग का कार्य हो रहा है।साथ मे सड़क की पटरी पर कही कही मिट्टी भी कर्मचारियों के द्वारा भरा जा रहा है।लेकिन जो सबसे जरूरी है जिससे इस सड़क पर चलते समय

इन सरपत व सरकंडे की वजह से पूरी सड़क आगे नही दिखाई पड़ती,उसी जगह जहा सबसे ज्यादा सरकंडे है वही अचानक मोड़ होने की वजह से सामने से आने वाला दिखाई नही पड़ता,इसी सड़क से सुबह भोर में ही ग्रामीण अपनी सब्जी लेकर जसरा मंडी जाते है साथ ही दूधिया अपनी टँकी बाइक में बांधकर जसरा बजार जाते है,अगर समय रहते इन सरकंडो को नही काटा गया तो इस जगह पर दुर्घटना होने से इंकार नही किया जा सकता।सोचने का विषय जरूर है कि इसी सड़क पर पैचिंग का काम हो रहा है क्या हो रहे इस काम को देखने के लिए सम्बंधित अधिकारी नही आते,अगर आते है तो इनकी निगाह इस सड़क की पटरी पर क्यो नही पड़ी।वही चिल्ला गौहानी के स्यामकान्त मिश्र, बिल्लू,मनोज मिश्र,बब्लू सिंह,आशुतोष सिंह का कहना है कि अगर सरपत सरकंडे की वजह से सड़क पर चलना मुस्किल हो रखा है। समय रहते अगर नही कट जाता तो किसी न किसी दिन एक दूसरे की वाहन से भिड़ंत जरूर हो जाएगी।

11 हजार के लाइट की चपेट से दर्दनाक मौत

गोरखपुर/ पीपीगंज थाना छेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा कोलुहा के निवासी राम सिंह चौहान उम्र 40 वर्षीय पुत्र स्वर्गीय विश्वनाथ चौहान ने आज अपने खेत में सागोन के पेड़ की डाली को छांट रहे थे।की बगल से 11000 का हाई वॉट स्टार गया था डाली उस में टच होने के कारण राम सिंह की मृत्यु गई । पुलिस सूचना पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। राम सिंह चौहान के दो बेटा वह दो बेटी है। श्याम 14 वर्ष ,सिखा 9, सत्यम 7, सोनाली 5 वर्ष है।

गड्ढा मुक्त सड़कों के दावे हवा-हवाई साबित हुए

रुद्र प्रताप सिंह लखनऊ। तहसील मलिहाबाद क्षेत्र माल ब्लॉक के ग्राम पंचायत अटेर से जाने वाला मुख्य मार्ग प्राचीन मंदिर बाराह देवी जाने वाले हजारों संख्या में श्रद्धालु बाराह देवी मंदिर के दर्शन के लिए आते हैं जिनको भी गड्ढा युक्त कीचड़ भरे मार्ग से गुजारना पड़ता है जो कि अत्यंत कीचड़ युक्त सड़क है जोकि 400 मीटर कीचड़ युक्त आवागमन रोड है जिसमें बाइक व पैदल चलने वाले श्रद्धालु फिसल कर कई बार इस कीचड़ में गिर चुके हैं और इसके लिए और कोई मार्ग नजदीक में नहीं है जिससे लोग आवागमन कर सके और यह मार्ग अम्बर खेड़ा गोपालपुर

नबीपनाह होकर लखनऊ हाईवे से जोड़ता है जिससे जाने वाले राहगीरों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है जबकि प्रदेश सरकार लगातार गड्ढा मुक्त सड़क बनाने का दावा कर रही ऐसे में प्रदेश सरकार की क्या गड्ढा मुक्त सड़कों का दावा क्षेत्र वासियों के लिए हवा-हवाई साबित हो रहा है इस रास्ते से गुजरने वाले दर्जनों गांव के लोग अस्पताल तहसील ब्लाक व प्रकार के कामों से इस मार्ग से गुजरते हैं कई बार प्रशासन से इसके लिए ग्रामीणों ने कई बार गुहार लगाई लेकिन किसी उच्च अधिकारी ने इस विषय को गंभीरता से नहीं लिया और स्थानीय लोगों में इसके विरुद्ध काफी आक्रोश है।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से लम्बित मुकदमों का किया गया निस्तारण

प्रयागराज। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चन्द्रमणि ने बताया है कि वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से गुरूवार को जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें रेलवे मजिस्ट्रेट उत्सव गौरव राज द्वारा सात लम्बित मुकदमों का निस्तारण किया गया साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव चन्द्रमणि की अध्यक्षता में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जेल के बंदियों को विधिक जानकारी से अवगत कराया गया तथा जेल में साफ-सफाई, मास्क, सेनेटाइजर का उपयोग कराये जाने हेतु न्यायिक अधिकारीगण प्रत्युष आनन्द मिश्रा, मनाली चन्द्रा, अमित सिंह द्वारा दिशा-निर्देश दिया गया। वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान डिप्टी जेलर अभय शुक्ला केन्द्रीय कारागार नैनी की ओर से जेल बन्दियों को उपस्थित कराया गया।

जनहित कार्यों की हो रही अनदेखी:नरेंद्र सिंह

लगातार पत्रक बाट सपा नीतियों को कर रहे साझा, प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाना लक्ष्य

मेजा, प्रयागराज। भाजपा सरकार ने आम आदमी को हताश और निराश किया है। चाहे किसान हो या नौजवान सबकी मुस्कान इस सरकार ने छीन लिया है। ऐसी सरकार को अब सत्ता मे रहने का कोई औचित्य नहीं है। उक्त बातें सपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रदेश सचिव नरेन्द्र सिंह सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा जारी डिजिटल पत्रक को छपवा कर मेजा क्षेत्र के सभी वर्गों मे वितरण करते हुए कहा है।

पत्रक वितरण के क्रम मे गुरूवार को नरेन्द्र सिंह ने मेजा क्षेत्र के कई किसानों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा युवाओं से मिलकर प्रदेश में पुनः अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए ÷अगस्त क्रांति की समाजवादी दिशा÷ पत्रक सौंपकर तथा लाल टोपी पहना कर सपा के समर्थन की अपील की। मेजा क्षेत्र के हनुमान गढ़, धरावल, सुकाठ सहित विभिन्न गाँवों मे भ्रमण करके पत्रक

बांट कर प्रदेश की खुशहाली के लिए 2022 मे समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए सहयोग की अपील की।

सपा नेता नरेन्द्र सिंह ने कहा कि हठधर्मी और दुराग्रही सरकार द्वारा लगातार जनहित के कार्यों की अनदेखी की जा रही है, किसानों और युवाओं को अपमानित करना इस सरकार के सनक और हनक का परिणाम है। सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि अहंकार से सरकार तो चल सकती है, लेकिन देश नही चलाया जा सकता। सरकार का यह पतनकारी कदम भाजपा के प्रचण्ड पतन का प्रारंभ है।

सपा नेता श्री सिंह ने कहा कि भाजपा शासन में आम आदमी को निराश और हताश होना पड़ा है। तमाम वादे कर सत्ता में आने के बाद भाजपा देश में पूंजीवाद को बढ़ावा दे कर, देश की आर्थिक और सामाजिक दशा को तहस-नहस कर रही है।

इस मौके पर कताई मिल मजदूर नेता राम प्रताप पाण्डेय, रमेश मिश्रा बड़े बाबू, भोला पाल, हिमांशु कुमार सिंह, भूपेन्द्र सिंह मुन्ना, अशर्फी पाल, पारस निषाद, सत्यम तिवारी, सन्तोष कुमार मिश्र, वीरेन्द्र मिश्र, डाक्टर लल्लू सिंह,बबलू सिंह पूर्व प्रधान, दुर्गा सिंह, रज्जन सिंह, तेरसू कुशवाहा बीडीसी, हुब लाल विश्वकर्मा, कन्हैयालाल पटेल,सुरेश सिंह, संजय आदिवासी, विजय कुशवाहा, अनिल विश्वकर्मा, श्रीपति कुशवाहा, विकास शर्मा, लाल मणि विश्वकर्मा, विकास तिवारी, विपुल सिंह, राम जन विश्वकर्मा, गनेश बहेलिया, इन्द्र मणि पाल, बेनी प्रसाद बहेलिया, राजू, गेन्दा लाल आदिवासी आदि रहे।

दुर्गापूजा पंडालों और रामलीला पर पाबंदी नही, लेकिन माननी होगी सशर्त

प्रयागराज। कोरोना महामारी की वजह से तमाम धार्मिक आयोजनों पर पाबंदियां थी, लेकिन अब धीरे-धीरे अनलॉक प्रक्रिया के तहत रियायत दी जा रही है द्य 17 अक्टूबर से शुरू हो रही नवरात्रि के दौरान जगह-जगह लगने वाले दुर्गा पूजा पंडालों और रामलीला के मंचन को भी इजाजत दे दी गई है,लेकिन इसके लिए कुछ शर्तों को मानना पड़ेगा. इसके साथ ही अगले साल प्रयागराज के संगम की रेती पर लगने वाले माघ मेले को भी कोविड गाइडलाइन के मुताबिक सशर्त मंजूरी दी गई है।

सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि संगम की रेती पर हर साल लगने वाले माघ मेले की परम्परा इस साल भी नहीं टूटेगी. कोविड की गाइड लाइन का पालन कराने के साथ ही माघ मेले का आयोजन होगा. राज्य सरकार ने मेले के आयोजन से जुड़े अधिकारियों और प्रयागराज मेला प्राधिकरण से इसके लिए प्रस्ताव मांगा है, जिसके आधार पर ही राज्य सरकार माघ मेले के आयोजन को लेकर दिशा निर्देश जारी करेगी।

दरअसल पिछले दिनों इलाहाबाद हाईकोर्ट में दुर्गा पूजा पंडालों को लगाने के लिए अनुमति को लेकर एक याचिका दाखिल की गई थी, इस याचिका में पूजा पंडालों और उनसे जुड़े लोगों की रोजी रोटी का जिक्र करते हुए अनुमति मांगी गई थी. हालांकि कोर्ट याचिका को ख़ारिज कर दिया था और कोरोना महामारी को देखते हुए अंतिम निर्णय जिला प्रशासन और सरकार पर छोड़ा था।

गंगा नहाने गये दो सगे भाई एक की डूबने से मौत घर मे मचा कोहराम

माण्डा /प्रयागराज। क्षेत्र के दिघीया चौकी के बगल गरेथा गांव के माता दुलार उर्फ मनीजर चौबे के बेटे अनुज चौबे (17)अपने भाई लल्ला चौबे के साथ सुबह करीब 7 बजे नरवर चौकठा गंगा घाट पर स्नान करने गये तेज बहाव के कारण गहरे पानी मे पहुँच गए।

जिससे उनकी डूबने से मौत हो गई । जब घर वालो को पता चला तो घर मे कोहराम मच गया तब तक सूचना पाकर दिघीया चौकी इंचार्ज नवीन कुमार सिंह सिपाहियों के साथ गंगा घाट पर

पहुचे कुछ ही देर बाद गोता खोर आ कर के कड़ी मसक्कत के बाद चार घंटे में लास मिला घर वालो की सहमति से पंचनामा कर लास को परिवार वालो को सुपुर्द कर दिया गया।

नहर का पानी न मिलने से किसान हलकान सड़क पर उतरे

कोरांव/प्रयागराज। हर वर्ष की धान की फसल के अंतिम पड़ाव पर पहुँचते पहुँचते नहर के अंतिम छोर के किसानो की हाय तौबा हो जाती है और सिचाई विभाग की पोल भी खुल जाती हैं।वही नहर रोस्टिंग की मार झेल रहे किसानो के सामने सड़क पर उतरने के अलावा कोई चारा शेष नही रहता। पानी का संकट देख ग्रामसभा चपरो के किसान आक्रोसित होकर गुरुवार सुबह सड़क पर उतर गए जिन्हें समझाने बुझाने के लिए जेई नहर बिभाग कैशूद्दीन मौके पर पहुंचे ।काफी मशक्कत के बाद समझाने बुझाने के बाद किसानों ने रोड से हटने का निर्णय लिया वही सपा नेता राजेश पांडे ने आक्रोश जताते हुए कहा कि एक-दो दिन में अगर सिंचाई नहीं पूरी हुई तो किसान किसी भी हद तक जाने को तैयार होगा। जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी मौके पर मौजूद जेई ने विश्वास दिलाया कि हम रात दिन अपने कर्मचारियों के साथ नहर पर मौजूद रह कर सिंचाई कराने का काम करेंगे। अब देखने वाली बात होगी कि किसानों की सूखती फसल की सिंचाई होती है या कोरा आश्वासन से ही किसानों को संतुष्ट होना पड़ेगा।उक्त मौके पर मुख्य रूप से किसान जय शंकर पांडे शीतला प्रसाद मिश्रा सुनील शुक्ला लक्ष्मी शंकर शुक्ला विजय कुशवाहा बजरंगी कुशवाहा विजेंद्र कुशवाहा शिवशागर पांडे ओंकार सिंह पटेल राजेश पांडेय मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा सप्ताह को लेकर यातायात पुलिस ने लोगों को किया जागरूक

गोरखपुर/सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत एसपी ट्रैफिक आशुतोष शुक्ला के निर्देश पर टी आई सुनील कुमार सिन्हाल अख्तियार अहमद अंसारी, विनोद कुमार शर्मा ट्रैफिक के जवानों के साथ यातायात कार्यालय पर लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया । इस दौरान गाड़ियों पर निःशुल्क रिफ्लेक्टर भी लगाए गए। जागरूकता के दौरान गाड़ी के नंबर सही ढंग से नहीं लगा कर चलने वालों को ठीक से रखे। टी आई अख्तियार अहमद अंसारी ने बताया कि 5 अक्टूबर से चल रहे यातायात सप्ताह के अंतर्गत लोगों को जागरूक करने के लिए पंपलेट वितरित किया गया। जिसमें दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने चार पहिया वाहन चालक सीट बेल्ट धारण करें दो पहिया वाहन पर तीन सवारी ना चले, नशीली वस्तुओं का सेवन करके गाड़ी ना चलाएं बिना रजिस्ट्रेशन के वाहन का प्रयोग ना करें वाहन का बीमा अवश्य करें।

सार्वजनिक शौचालय में लाखों रुपए खर्च फिर भी खुले में शौच

कोरांव/ प्रयागराज। सूबे की सरकार द्वारा सार्वजनिक शौचालय में लाखों रुपए खर्च करने के बावजूद भी ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश लोग खुले में शौच करने के लिए उतारू हैं। विकास खंड कोरांव के कई दर्जन गांव में सामूहिक शौचालय बनकर तैयार है लेकिन ग्रामीण उसका उपयोग नहीं कर पाते हैं व खुले में शौच जाने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि सरकार के तरफ से सभी ग्राम सभा में तीन लाख की लागत से महिला पुरुष शौचालय के साथ-साथ स्नान गृह पानी के लिए समर सेबुल से पाइपलाइन के द्वारा नल सुविधा से लैस सार्वजनिक शौचालय बनाए जा रहे हैं। इसकी लागत राशि सचिव ग्राम प्रधान को अवमुक्त भी हो रही हैं जिसके निर्माण कार्य का जिम्मा ग्राम प्रधान को सौंपा गया है। बावजूद बहुतायत शौचालय आधे अधूरे बन पाए हैं। तो कुछ बनने के बावजूद भी ताले लटकते पाए जाते हैं। जिससे लोग सार्वजनिक शौचालय उपयोग नहीं कर पाते हैं नतीजतन खुले में शौच जाने के लिए मजबूर हैं।दिलचस्प बात यह है कि ग्राम प्रधानों ने अपनी निजी भूमि पर सार्वजनिक शौचालय बना लिया है। और ग्रामीणों को जाने में रोक लगाते हैं। लोगों का कहना है कि शौचालय सरकारी भूमि पर बननी थी लेकिन प्रधान ने एकाधिकार जमाने के लिए अपनी निजी भूमि पर सार्वजनिक शौचालय का निर्माण करा कर लोगों को सुविधा से वंचित रख रहे हैं। जिसके चलते शौचालय के लाभ से वंचित लोगो को खुले में शौच जाना पड़ता है।

श्री सद्गुरु सेवा ट्रस्ट चित्रकुट की शाखा का प्रयागराज मे हुआ उद्घाटन

प्रयागराज के गोविन्दपुर अप्ट्रान चौराहे पर खुली शाखा ट्रस्ट का बुधवार को हुआ उद्घाटन

प्रयागराज। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के सहयोग से साइटसेवर और श्री सद्गुरु संघ ट्रस्ट ने शहरी नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू किया जिसे उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से अमृता दृष्टि के नाम से भी जाना जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य शहरी क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती पर ध्यान केंद्रित किया है, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की भागीदारी की किसी भी कारणवश अंधापन हो और दृष्टि से बचाव के लिए एक वैश्विक पहल है। श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट चित्रकूट विगत 52 वर्षों से मानव सेवा के मूल उद्देश्य को लेकर नेत्र संबंधी बीमारियों एवं रोगियों की सेवा में लगभग पूरे मध्य भारत में तत्पर है सद्गुरू नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट के अंतर्गत ग्रामीण व शहरी इलाकों में 45 से अधिक सेंटर संचालित है, जिसमें प्राथमिक नेत्र जांच की सुविधा है, इसी क्रम में चिकित्सालय द्वारा एवं स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के समर्थन से साइड के सहयोग से द्वारा प्रयागराज शहर में 5 बजे सेंटर सर्व सुविधा युक्त खोले गए, मोतियाबिंद की संपूर्ण जांच समलबाई की जांच रेटिना की जाँच व अन्य सुविधाएं कुशल नेत्र विशेषज्ञों द्वारा की जाएगी । प्रयागराज में बुधवार को गोविंदपुर अप्ट्रान चौराहा में उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रजनीश मिश्रा (सिटी मजिस्ट्रेट) डॉ0 (मेजर)जीएस बाजपेई (सीएमओ) डॉ राहुल सिंह (डी 0पी0एम0एन0पी0सी0 बी0 एंड बी आई) साथ ही ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, साइटसेवर एवं राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय टीम के अतिथिगण सम्मिलित हुए एवं आरएन मोहनती (सीईओ) साइटसेवर करुणा भाटिया (हेडएस आईएससीबी) डॉ0 वीके जैन डॉ0 इलेश जैन एवं अन्य अतिथिगण के द्वारा संपन्न हुआ और शहर के अन्य अतिथि सम्मिलित हुए । साथ ही मंचासीन अतिथिगण एवं शेखर (समाजसेवी एवं पर्यावरण विद्) को माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। शहर में कुल 5 विजन सेंटर खोले गए, अप्ट्रान चौराहा गोविंदपुर, कुंदन गेस्ट हाउस अल्लापुर, पेट्रोल पंप के पास मुट्ठीगंज, करेला बाग कॉलोनी (चंदन स्वीट हाउस के पास] सुलेम सराय (बैंक ऑफ इंडिया के सामने)।

सीएम ने गोरखपुर को दी 122 करोड़ की सौगात कहा-विकास से रोशन होगा गोरखपुर

गोरखपुर/उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गोरखपुर को 122 करोड़ रुपये की 177 विकास योजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कला, संस्कृति, आध्यात्म के महत्वपूर्ण केंद्र गोरखपुर में विकास की हर आस पूरी होगी। उत्तर प्रदेश सरकार जिस नए गोरखपुर को आकार दे रही है, उसमें हर गली विकास की रोशनी से रोशन होगी। एम्स जैसे अत्याधुनिक सुविधायुक्त चिकित्सा संस्थान के बाद अब इस साल चिड़ियाघर की सौगात मिलेगी जबकि अगले साल की शुरुआत में खाद कारखाने की बहुप्रतीक्षित आस पूरी होगी। मुख्यमंत्री गुरुवार को लखनऊ स्थित आवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गोरखपुर में 122 करोड़ की 177 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास कर रहे थे। शिलान्यास की गईं परियोजनाएं जनपद के सदर, ग्रामीण और सहजनवा विधानसभा क्षेत्र में अच्छी सड़कों, व्यवस्थित नालियों के निर्माण से जुड़ीं थीं।

जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रीय जनता की वर्चुअल मौजूदगी में मुख्यमंत्री ने कहा कि याद कीजिये आज से 20-

25 साल पहले गोरखपुर के बारे में लोगों की धारणा क्या थी ? अराजकता और बदहाली यहां की पहचान बन गई थी लेकिन आज जनसहयोग से जन आकांक्षाओं के अनुरूप नए गोरखपुर का निर्माण हो रहा है। खाद कारखाने का पुनर्संचालन यहां के लोगों की बहुप्रतीक्षित आकांक्षा थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिलान्यास कर जनाकांक्षाओं को बल दिया था, अब अगले वर्ष इसका शुभारंभ होगा। बायोफ्यूल प्लांट, वॉटर स्पोर्ट पार्क, आयुष विश्वविद्यालय, वेलनेस सेंटर, वेटनरी कॉलेज, पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज, महिला पीएसी की एक वाहिनी की स्थापना नए गोरखपुर को समृद्ध करेगी। दूर होंगी बदहाल सड़कें और गंदी नालियां मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर के आंतरिक क्षेत्र में बदहाल सड़कें और दुर्व्यवस्थित नालियां लोगों के मन की टीस थीं। इसे मिटाने के लिए ही इन सड़क और नाली निर्माण की परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया है। उन्होंने मण्डलायुक्त गोरखपुर को निर्देश दिया कि हर एक परियोजना के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाए और सभी कार्यमानक के अनुसार समय से पूरे होने चाहिए। रामगढ़ ताल को बनाएंगे विश्व स्तरीय पर्यटन केंद्र मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर भौगोलिक रूप से बौद्ध सर्किट के केंद्र में है। कुशीनगर, कपिलवस्तु और लुम्बिनी जाने वाले बौद्ध पर्यटक गोरखपुर होकर ही जाते हैं। वह गोरखपुर में रुकें, इसके लिए रामगढ़ ताल को विश्व स्तरीय आकर्षण के केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। विकास का कोई विकल्प नहीं है। विकास से न केवल रोजी-रोजगार की संभावनाएं बढ़ती हैं, बल्कि शहर व प्रदेश के बारे में लोगों का नजरिया भी बदलता है।बिजली के तार झूलते हुए न मिलें मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि शहर में झूलते-लटकते बिजली के तार शहर की सुंदरता तो खराब करते ही हैं, आम नागरिकों को बड़ी असुविधा होती है। इन्हें भूमिगत करने की प्रक्रिया तेज की जाए।

इसमें किसी तरह की कोताही स्वीकार नहीं की जाएगी। 10 से 16 अक्तूबर तक स्वच्छता एवं सैनिटाइजेशन का एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। गोरखपुर के लोगों से मेरी खास अपील है कि इस अभियान को सफल बनाएं। अभियान के तहत कूड़े निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। एन्टी लार्वा और चूने इत्यादि का छिड़काव हो। इससे डेंगू व अन्य बीमारियों को नियंत्रित करने में सफलता मिलेगी। महापौर सीताराम जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री नए गोरखपुर के शिल्पकार हैं। उनके नेतृत्व में आज घर के द्वार तक विकास पहुंचा है। गोरखपुर से मुख्यमंत्री के आत्मिक संबंधों का उल्लेख करते हुए महापौर ने कहा कि साढ़े तीन वर्ष में गोरखपुर को जो कुछ मिला है, वह पिछले 70 वर्ष में कल्पनातीत था। सदर सांसद गोरखपुर रवि किशन शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं गोरखपुर के विकास के लिए हर सम्भव प्रयास कर रहे हैं। उनका नेतृत्व हम सभी का सौभाग्य है। विधायक ग्रामीण विपिन सिंह ने गोरखपुर में एम्स, खाद कारखना, रामगढ़ ताल परियोजना, चिड़ियाघर जैसी नई पहचान बनाने वाली विकासपरक परियोजनाओं का हवाला देते हुए क्षेत्रीय जनता की ओर से मुख्यमंत्री का आभार जताया। सहजनवां क्षेत्र से विधायक शीतल पांडेय ने कहा कि राजनैतिक उपेक्षा के कारण विकास की दौड़ में मीलों पीछे छूट गया गोरखपुर अब बड़े महानगरों से होड़ ले रहा है।

शाहीनबाग पर सुप्रीमकोर्ट का कल्याणकारी नजरिया

शहीन बाग प्रदर्शन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जो टिप्पणी की है उसमें वास्तव में जनकल्याण छिपा है। सुप्रीमकोर्ट ने अप्रत्यक्ष रूप से इसके लिए सरकार और प्रशासन को ही जिम्मेदार नही ठहराया बल्कि यह भी इशरा किया है कि चंद लोग अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए फण्डिग लेकर जनता की भावनाओं को भड़काकर इस तरह का असामाजिक घिनौना खेल खेलते है। इससे न केवल देश की सम्प्रभुता को खतरा उत्पन्न होता है बल्कि देश के विकास में रूकावट आने के साथ वैमन्यस्ता बढ़ती है। यही वैमन्यस्ता आगे हिंसक रूप अख्तियार कर लेती है। शाहीन बाग में करीब सौ दिन चले धरना-प्रदर्शन पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला भले कुछ देर से आया हो, लेकिन स्वागतयोग्य है। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने साफसुना दिया कि प्रदर्शनकारी अनिश्चितकाल के लिए किसी सार्वजनिक सड़क या जगह पर कब्जा नहीं कर सकते। कोई भी समूह या व्यक्ति प्रदर्शन के नाम पर सार्वजनिक जगह को बाधित नहीं कर सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रदर्शन किसी ऐसी जगह पर होना चाहिए, जहां भीड़भाड़ न हो। यह बात छिपी हुई नहीं है कि शाहीन बाग में हुए प्रदर्शन से जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई संभव नहीं है। उससे जो व्यापक आर्थिक, सामाजिक क्षति पहुंची है, उसका आकलन और भी मुश्किल है। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए), एनआरसी और एनपीआर के विरोध में जब शाहीन बाग में प्रदर्शन हो रहा था, तब देश में माहौल काफी गरम था। इसके पक्ष व विपक्ष में समाज बंटा हुआ था। प्रशासन जब मजबूर हो गया था, प्रदर्शनकारियों को हटाने की कोशिशें जब नाकाम हो गई थीं, तब सुप्रीम कोर्ट ने समाधान निकालने के लिए मध्यस्थों को भेजा था। कुछ दौर की बातचीत के बावजूद प्रदर्शनकारी मध्यस्थों की बात मानने को तैयार नहीं हुए। तब सुप्रीम कोर्ट की ओर से कोशिश हुई थी कि धरना कहीं और स्थानांतरित हो जाए और शाहीन बाग की बाधित सड़क खुल जाए। सुप्रीम कोर्ट की वह कोशिश नाकाम हो गई थी, पर तब तक कोरोना का कहर टूटा और धरने को 24 मार्च को लॉकडाउन की शुरुआत में हटा दिया गया। धरना हटाने का काम प्रशासन ने किया था और सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट कर दिया है कि प्रशासन खुद सार्वजनिक स्थानों को अवरोधों से मुक्त रखे, सिर्फ अदालत के कंधे पर बंदूक रखकर न चलाए।आखिरकार सुप्रीम कोर्ट इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि सार्वजनिक स्थलों पर कब्जा करके धरना-प्रदर्शन नहीं किया जा सकता। उसने यह फैसला दिल्ली में सौ दिन से अधिक समय तक चले शाहीन बाग के उस कुख्यात धरने को लेकर दिया, जिसके चलते लाखों लोगों को परेशान होना पड़ा। क्या अच्छा नहीं होता कि यह फैसला समय रहते आता?इसमें कोई शक नहीं, सड़क को प्रदर्शन के लिए इस्तेमाल करने से बड़ी संख्या में लोगों को परेशानी होती है और उनके अधिकारों का हनन होता है। जहां हम भारतीयों को विरोध-प्रदर्शन का अधिकार है, वहीं हमें सड़क और सार्वजनिक जगहों के इस्तेमाल का भी अधिकार है। अव्वल तो लोगों को विरोध-प्रदर्शन से लोकतांत्रिक ढंग से रोकना-समझाना शासन-प्रशासन का काम है, वहीं होने वाले प्रदर्शन से दूसरे लोगों की रक्षा करना भी उसका दायित्व है। शासन-प्रशासन को अपने स्तर पर ही ऐसे प्रदर्शनों का सही समाधान खोजना चाहिए। गौर करने की बात है, जब सरकार धरना को कहीं और स्थानांतरित करने या खत्म करने में नाकाम रही, तब सड़क खुलवाने के लिए अदालत में याचिका दायर करने की जरूरत पड़ी। यह जरूरत नहीं पड़नी चाहिए थी। अदालत को ऐसे मामलों को सुलझाने में वक्त लगता है, क्योंकि कानूनी प्रावधान के तहत सबका पक्ष सुनने के बाद ही कोई फैसला संभव होता है। खैर, अब सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश के बाद सरकारों को ज्यादा सचेत रहना चाहिए। प्रश्न यह भी है कि नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ जब शाहीन बाग की सड़क पर कब्जाकर धरना दिया जा रहा था, तब सुप्रीम कोर्ट ने उसे खत्म करने का आदेश देने के बजाय वहां बैठे लोगों को मनाने के लिए वार्ताकार नियुक्त करने का काम किस आधार पर किया था? क्या इसकी अनदेखी की जा सकती है कि इस अस्वाभाविक कदम से न केवल दिल्ली पुलिस सड़क खाली कराने से हिचकिचा गई थी, बल्कि रास्ते को बंद करके बैठे लोगों का दुस्साहस और बढ़ गया था? धरना-प्रदर्शन के प्रति ज्यादा संवेदनशील होने की जरूरत है। समय से पहले ही समस्या की सुनवाई करने में भलाई है। किसी विरोध के सड़क पर उतरने और समाज पर भारी पड़ने का इंतजार नहीं करना चाहिए। लोगों और संगठनों को भी अच्छी नागरिकता और परिपक्व लोकतंत्र की मिसाल पेश करनी चाहिए। जहां यह देखना जरूरी है कि धरना-प्रदर्शन करने के अधिकार का दुरुपयोग न हो, वहीं इनसे दूसरों को होने वाली परेशानी के बारे में भी सोच लेना चाहिए।अफ्सोस केवल यह नहीं कि एक और फैसला देरी से आया, बल्कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर अनिश्चितकाल तक नहीं बैठा जा सकता कहने से यह अंदेशा है कि कहीं इसकी व्याख्या इस रूप में न की जाने लगी कि प्रदर्शनकारी कुछ समय के लिए सड़क, रेल मार्ग आदि बाधित कर सकते हैं। उचित होता कि साफतौर पर कहा जाता कि सार्वजनिक स्थलों पर एक क्षण के लिए भी कब्जा किया जाना स्वीकार्य नहीं? उचित तो यह भी होता कि सुप्रीम कोर्ट उस तरह की प्रवृत्तियों पर भी ध्यान देता, जिनके चलते लोगों को उकसाकर सड़कों पर उतारने के साथ अराजकता फैलाने की कोशिश की जाती है। यह एक खतरनाक प्रवृत्ति है। यह लगातार बढ़ती दिख रही है। यह एक तथ्य है कि शाहीन बाग धरने को समर्थन देने का काम संदिग्ध इरादों वाले कई संगठनों की ओर से किया गया। इनमें कई संगठनों के नाम भी सामने आए थे, जैसे पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया यानी पीएफआइ। इस संगठन का दफ्तर भी शाहीन बाग इलाके में ही है। पता नहीं इस संगठन की भूमिका कितनी गंभीर थी, लेकिन इसमें दोराय नहीं कि नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ जो विषाक्त माहौल बनाया गया, उसके दुष्परिणामस्वरूप ही दिल्ली में भीषण दंगे हुए। यह महज दुर्योग नहीं हो सकता कि हाथरस में हिंसा भड़काने की साजिश में भी पीएफआइ का नाम आ रहा है। यदि यह सच है कि इस संगठन को बाहर से करोड़ों रुपये की फंडिंग हुई तो इसका मतलब है कि देश विरोधी ताकतें धरना-प्रदर्शन और विरोध के बहाने देश की सुरक्षा से खेल रही हैं। सुप्रीम कोर्ट को न केवल इसकी चिंता करनी चाहिए, बल्कि यह भी देखना चाहिए कि ऐसी ताकतों पर लगाम कैसे लगे? यदि यह सच है कि इस संगठन को बाहर से करोड़ों रुपये की फंडिंग हुई तो इसका मतलब है कि देश विरोधी ताकतें धरना-प्रदर्शन और विरोध के बहाने देश की सुरक्षा से खेल रही हैं। सुप्रीम कोर्ट को न केवल इसकी चिंता करनी चाहिए बल्कि उसे ऐसी परिस्थितियॉ उत्पन्न होने के लिए सरकार तथा प्रशासन की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित करनी चाहिए।

सम्पादकीय

कोरोना से परे

कोरोना कोविड-19 की इस महामारी में घर में ही श्कैदश् भुगतते हुए अक्सर यह सवाल मन में उठता रहा है कि महात्मा गांधी अभी क्या करते, क्या कहते। यह तो तय है कि वे इससे पीडित लोगों की जान बचाने के लिए उसी तरह जुट जाते जैसे कोढियों अथवा अन्य बीमारियों से पीडित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए जुट जाते थे। मुझे लगता है कि इसके साथ-साथ वह निश्चय ही इसके फैलाव के कारणों तथा इस दौर के बाद मानवता को आगे के लिए सुरक्षा और बेहतरी पर भी विचार करते। इस तरह सोचते हुए मेरा ध्यान उनके उस कथन की ओर चला जाता है, जिसमें उन्होंने महामारियों के फैलने की जिम्मेदारी रेलों पर डाली थी। रेलों से होने वाले फायदे के बारे में उठाए गए सवाल का जवाब देते हुए महात्मा गांधी हिन्द स्वराज में कहते हैं, रेल से महामारी फैली है। अगर रेलगाड़ी न हो तो कुछ ही लोग एक जगह से दूसरी जगह जाएंगे और इस कारण संक्रामक रोग सारे देश में नहीं पहुंच पायेंगे। पहले हम कुदरती तौर पर ही सेग्रेगेशन (सूतक) पालते थे।श्श् वह तो अकाल बढने का भी एक कारण रेलों को मानते हैं क्योंकि वे अनाज को वहां खींच ले जाती हैं, जहां उसे अधिक महंगे दामों पर बेचा जा सकता है। बात सिर्फरेलों की नहीं, बल्कि तीव्रगति से चलने वाले यातायात के सभी साधनों की है क्योंकि इसी पुस्तक में से वे अन्यत्र हवाई जहाजों की भी आलोचना करते हैं। दिक्काल को जीतने की होड़ को गांधी एक प्रकार का पागलपन मानते हैं। कोरोना के फैलाव के बारे में महात्मा गांधी के विचारों की प्रासंगिकता स्वयंसिद्ध है। वायुयानों, रेलगाडियों, बसों आदि को क्यों बंद या सीमित किया गया? और जब लोगों को उनके मूल स्थान पर ले जाने के लिए उनके सावधानीपूर्वक उपयोग के बावजूद कोरोना संक्रमण पहले दौर से अधिक फैला। यह भी विचारणीय है कि सभी सरकारें क्यों यह सोचने लगीं कि लोगों को उनके मूल निवास या उसके आसपास ही रोजगार मुहैय्या का काम बेहतर होगा क्योंकि तब अधिकांश लोगों को रोजगार के लिए दूर प्रदेशों में नहीं जाना होगा और ऐसे किसी संकट की स्थिति में वे अपने को अधिक सुरक्षित और आश्वस्त महसूस कर सकेंगे। किसी भी बीमारी के पैदा होने का कारण तो मनुष्य और प्रकृति के रिश्ते का असंतुलन ही होता है, जिसके कई कारण हो सकते हैं, लेकिन उस बीमारी का एक महामारी की तरह फैलना तो तीव्रगति वाहनों की ही वजह से संभव होता है। लेकिन आखिर इन वाहनों की हमें जरूरत क्यों पड़ती है? क्यों हमें आए दिन सैकड़ों-हजारों मील दूर आने-जाने के लिए विवश होना पड़ता है? और इसके लिए उनकी गति को निरंतर तेज करते रहने की आवश्यकता क्यों पड़ती है? क्यों हमें लगता है कि उनके बिना काम नहीं चल सकता? दरअसल, इस साल का केन्द्रीय कारण हमारी अर्थव्यवस्था की प्रकृति है। इस अर्थव्यवस्था के ही कारण रोजगार के अवसर बड़े शहरों में केन्द्रित हो गए हैं। देहात में कृषि पर तो आघात हुआ ही है, साथ ही वहां अन्य किस्म के रोजगार भी सिकुड़ते गए हैं। यंत्रोद्योगों के कारण बड़े शहरों का विकास होता है, जहां देहात से आए मजदूरों के लिए स्वस्थ आवास, और पेयजल तक की व्यवस्था नहीं हो पाती। अस्वस्थ पेयजल, दूषित हवा और गन्दगी भरे आवास के कारण प्रतिदिन कितने लोग मरते और बीमार पड़ते हैं, उनकी संख्या कोरोना से पीडित अथवा मरने वालों की संख्या से कम नहीं होती। दुर्घटनाओं में कितने लोग प्रतिदिन मरते हैं? इन सब मौतों से हम विचलित नहीं होते क्योंकि वे तो विकास की कीमत है, जिसे हमें चुकाना ही पड़ेगा। हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि युद्धों में कितनी मौतें होती हैं, उनका मुख्य कारण भी हमारी अर्थव्यवस्था ही है क्योंकि दोनों महायुद्धों और उसके बाद की अधिकांश लड़ाइयों के पीछे अविकसित कहे जाने वाले देशों के प्राकृतिक संसाधनों और उनके बाजार पर एकाधिकार की प्रवृत्ति की रही है। यह प्रवृत्ति भी इस अर्थव्यवस्था का ही उत्पाद है क्योंकि इसके बिना वह स्वयं भी भरभरा कर गिर सकती है। कभी यह विचार किया जाना चाहिए कि आर्थिक दृष्टि से समृद्ध कहे जाने वाले देशों की जीडीपी में युद्ध सामग्री, तीव्र गति वाहनों और प्रसाधन सामग्री के उत्पादन का कितना योगदान है, जबकि स्वस्थ मानव जीवन के लिए इनमें से किसी की कोई आवश्यकता नहीं है। इसीलिए महात्मा गांधी के लिए बीमारियों का इलाज भी उस अर्थव्यवस्था में है, जो आत्मनिर्भर देहातों का विकास करती हो, जहां से रोजगार के लिए पलायन की आवश्यकता न रहे। ये आत्मनिर्भर गांव वैसा श्आत्मनिर्भर भारतश् नहीं होंगे, जिसके लिए विदेशी निवेश को आमंत्रित करना पड़े। विदेशी पूंजी से आत्मनिर्भर देश की यदि यह कल्पना कुछ मूर्त भी हो जाए तो भी रोजगार की संभावनाएं तो सपना ही रहेंगी क्योंकि हाइरेट ऑफ टेक्नोलॉजिकल ट्रांसफोरमेशन के लिए किये गये निवेश से श्स्वचालित उद्योगश् ही बढ़ेंगे, श्रमिकों के लिए रोजगार नहीं।

किसानी के प्रतिकूल हैं, हाल में बने कानून

सरकार ने हाल में खेती-किसानी से जुड़े तीन कानून पारित करवाए हैं। उनको लेकर किसानों के बीच आक्रोश तो है ही, किसान, आदिवासी और मछुआरा समुदाय के साथ काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं के मन में भी आक्रोश है। नतीजतन देश भर में एक आंदोलन का माहौल बनता जा रहा है। ऐसे में इन कानूनों को जल्द-से-जल्द वापस लेने में ही सरकार की बुद्धिमानी होगी। किसानों के संदर्भ में कोई निर्णय लेना जरूरी हो तो भी किसानों के साथ परिचर्चा कर उनकी अभिलाषाओं के अनुकूल नियम-कानून बनाना चाहिए था। सलाह, परिचर्चा और व्यापक संवाद के बिना जो कानून बनाए गए हैं और उनके माध्यम से देश भर की कृषि को चलाने की जो कोशिशें हो रही हैं, उससे लोकतंत्र को भी खतरा है। यदि खेती-किसानी के लिये कानून बनाना बहुत जरुरी हो तो भी सरकार को पहले एमएस स्वामीनाथन कमीशन का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और कर्जमाफी के सुझाव को लागू करना चाहिये था। उसके बाद बाकी बातों पर सरकार को चर्चा शुरू करना चाहिए थी। यह नहीं करने से जाहिर होता है कि सरकार को जो करना चाहिए, वह नहीं कर रही और जो नहीं करना चाहिए वह कर रही है। यह कोई प्रजातांत्रिक तरीका नहीं है। देश भर में मंडियों का गठन इसलिए हुआ था कि किसान को स्वाभिमान से जीने के लिए उनकी एक संस्थागत व्यवस्था कायम हो सके, ताकि किसान को भी लगे कि हमारे संरक्षण के लिए कोई संस्था है। खुले बाजार में बाजार की ही शर्तों पर बेचने और ताकतवर लोगों के सामने हाथ फैलाकर खड़े रहने के खिलाफ और इस व्यवस्था को बदलने के लिए ही तो मंडी व्यवस्था कायम की गई थी। उस मंडी व्यवस्था को समाप्त करना कोई बुद्धिमता नहीं है। इसी तरह संविदा खेती (कांट्रेक्ट फार्मिंग) की बात की जा रही है। हम सब जानते हैं कि यह संविदा खेती कितनी खतरनाक है। हमने कोयले का व्यापार कर लिया, अन्य खनिजों का व्यापार कर लिया, पानी का व्यापार कर लिया और अब खेती का व्यापार करने जा रहे हैं। संविदा खेती में ताकतवर लोग आएंगे। खेती पर स्वाभिमानी ढंग से जीवनयापन करते साधारण किसानों को ताकतवर बनाने के बदले उनको संविदा खेती के तहत कमजोर करने की जो प्रक्रिया है, वह सही नहीं है।

कोविड के दौरान प्रधानमंत्री ने भी कहा था कि मैं इस देश को स्वावलंबी बनाना चाहता हूं। ऐसा स्वावलंबी समाज गांव से ही तो बनेगा। जल, जंगल और जमीन पर यदि लोगों का अधिकार नहीं है, जीवन जीने का निर्णय लेने का अधिकार उन लोगों को नहीं है तो स्वावलंबी समाज की रचना कैसे होगी? इसमें समन्वय की कमी झलकती है। एक तरफ हम स्वावलंबी समाज बनाना चाहते हैं, लेकिन दूसरी तरफ आप जो कर रहे हैं वह इसके बिल्कुल विपरीत है। सन् 2012 में बड़े आंदोलन के बाद, जहां एक लाख लोगों को लेकर एकता परिषद और उसके सहयोगी संगठनों ने दिल्ली की ओर कूच किया तो 2013 में श्भूमि

अधिग्रहण में उचित मुआवजा एवं पारदर्शिता का अधिकार, सुधार तथा पुनर्वास अधिनियम कानून लाने में हम सफल हुए थे। इस कानून में यह कोशिश की गई है कि जैसे भूमि-अधिग्रहण के मामले में अच्छी भूमि उद्योग के लिए नहीं देने की बात है, उसी तरह सिर्फ भूमि-स्वामी को ही नहीं, बल्कि भूमि-स्वामी के अलावा जो भूमि पर आश्रित समाज है उसका पुनर्वास इस कानून में शामिल है। इसके साथ-साथ सामाजिक प्रभाव आंकलन (एसआईए) भी किया जाए, ऐसी कई बातें इस कानून में हैं। इस कानून को बदलने के लिए भी सरकार ने विधेयक का ही प्रयोग किया था, इसलिए हमको बड़े पैमाने पर पलवल से दिल्ली तक आंदोलन करना पड़ा था। मेरा निवेदन है कि पूरे देश को आंदोलन में झोंकने के बदले, बिना किसी सलाह-मशविरा के, विधेयक के माध्यम से देश को चलाने की बजाय सरकार चर्चा के आधार पर काम को आगे बढ़ाए। मैं केन्द्रीय कृषि मंत्री से हमेशा यह निवेदन करता रहा हूं कि एकता परिषद के दिल्ली-कूच के दौरान आगरा में भूमि सुधार के लिए जो सहमति बनी थी, किसानों की समस्या हल करने के लिए सरकार पहले उसे लागू करे। उसको लागू किए बिना जल्दीबाजी में कानून बनाकर बड़े लोगों को ताकत पहुंचाने और ताकतवर लोगों तथा कॉर्पोरेट को फायदा पहुंचाने के लिए ये जो प्रयास किए जा रहे हैं उनसे तो पूरे देश में आंदोलन होगा। सरकार से निवेदन है कि वह इन कानूनों को वापस ले और किसान, आदिवासी, मछुआरा और खेतिहर मजदूरों को सम्मान देना सीखे। इससे बने माहौल में मिल-जुलकर बैठकर बात करें कि देश का भविष्य क्या होना चाहिए।

सर्दियों में कोरोना का खतरा ज्यादा

विदेशों से आये लोग जब अपने घरों में पहुंचे, तो वहां से यह संक्रमण उनके यहां काम करनेवाले ड्राइवर, घरेलू सहायकों तक पहुंचा. वे इस बीमारी को अपने-अपने इलाकों तक ले गये. ऐसे ज्यादातर लोग स्लम एरिया में रहते हैं, जहां आबादी काफी सघन होती है. स्लम एरिया में इसे रोकना मुश्किल हो गया. एहतियात के तौर पर, मार्च में ही प्रधानमंत्री ने लॉकडाउन की घोषणा कर दी. इसके बाद दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, चेन्नई, पुणे, कोलकाता आदि शहरों से निकले श्रमिकों के माध्यम से संक्रमण देश के दूर-दराज गांवों में फैल गया. गांव-देहात के इलाकों में संक्रमण रोकने की चुनौती और बड़ी है. यहां स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी मुख्य तौर पर पांच गंभीर चुनौतियां हैं. पहली, जनसंख्या के अनुपात में डॉक्टरों की बहुत कमी है. देश में 10 प्रतिशत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तो ऐसे हैं, जहां कोई डॉक्टर नहीं हैं. इनमें से तो कई बिहार और उत्तर प्रदेश में होंगे. दूसरा, अस्पतालों में बेड की बहुत कमी है. ग्रामीण इलाकों में प्रति 10,000 की आबादी पर मात्र साढ़े तीन बेड ही उपलब्ध हैं, जबकि डब्ल्यूएचओ के अनुसार, प्रति 300 पर एक बेड होना चाहिए. तीसरी बात, ग्रामीण इलाकों में 20 प्रतिशत ऐसे लोग हैं, जिन्हें डॉक्टर कहा जाता है, लेकिन वे क्वालीफाइड नहीं हैं. चौथी समस्या है दूरी और परिवहन की. अगर कोई बीमार पड़ जाये, तो अस्पताल तक पहुंचना बहुत मुश्किल है. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों या जिला अस्पतालों तक मरीजों को पहुंचने में काफी समय लगता है. अंतिम महत्वपूर्ण बात, जागरूकता का बहुत अभाव है. बीमारी होने पर क्या करना है, यह उन्हें पता नहीं है. अब संक्रमण गांवों में तेजी से फैल रहा है और उसे नियंत्रित करने की जरूरत है. प्रवासी श्रमिकों के घर लौटने और अर्थव्यवस्था को खोलने से संक्रमण बढ़ा है. अर्थव्यवस्था को लंबे समय तक बंद नहीं रखा जा सकता, हरेक को अपना जीवन चलाना है. लेकिन, ध्यान रखना है कि बाहर निकलते समय विशेष एहतियात बरतें. कुछ राज्यों में संक्रमण की दर कम होने की खबर है. लेकिन, वहां जांच कैसे और किस तरह से की जा रही है, यह भी जानना जरूरी है. इम्युनिटी को लेकर अभी स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता है. कुछ देशों में इससे संबंधित कुछ रिसर्च हुई है. उससे स्पष्ट है कि संक्रमण के बाद में शरीर में जो एंटीबॉडीज बनते हैं, वे चार से पांच महीने तक रहते हैं. लेकिन, ये एंटीबॉडीज कितना सुरक्षा देते हैं, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है. हालांकि, एंटीबॉडीज से थोड़ा बहुत अंतर जो जरूर आता होगा. अगर कहीं टेस्टिंग कम होगी, तो नंबर अपने आप ही कम हो जायेंगे. हमें देखना चाहिए कितने टेस्ट के बाद पॉजिटिव मामले दर्ज हो रहे हैं. केवल आंकड़ों को देखकर यह नहीं कहा जा सकता कि उचित रूप से टेस्टिंग हो रही है या नहीं. अच्छी दशा उसे कहा जाता है, जब आप ज्यादा से ज्यादा टेस्टिंग करें और उसके अनुपात में पॉजिटिव मामलों की संख्या कम से कम दर्ज हो. क्या ये आरटीपीसीआर कर रहे हैं या रैपिड एंटीजन कर रहे हैं. रैपिड एंटीजन में गलत मामले दर्ज होने की संभावना अधिक रहती है. आरटीपीसीआर अपेक्षाकृत महंगी और जटिल टेस्ट विधा है. इसके लिए आपको एक्सपर्ट और इक्विपमेंट की जरूरत होती है. ज्यादातर मामलों में लोग रैपिड टेस्ट कर रहे हैं. इससे मामले की यथार्थ स्थिति का आकलन नहीं हो पाता. टेस्ट किये गये मामलों में अगर पॉजिटिव मामलों की संख्या से भाग करें, तो उससे पता चलेगा कि कितने टेस्ट करने पर संक्रमण का मामला दर्ज हो रहा है. अभी सर्दियों का मौसम शुरू हो रहा है और पहली बार इस मौसम में हमें संक्रमण का सामना करना है. दूसरे देशों का उदाहरण देखें, तो जहां ठंड है, वहां कोविड के मामले बढ़े हैं, लेकिन वहां गंभीर मामले अधिक नहीं थे और मार्च-अप्रैल की तुलना में मौतों की संख्या कम रही, लेकिन इतना स्पष्ट है कि जब हम दरवाजे बंद करके सारे लोग एक जगह अंगीठी के आसपास बैठेंगे, तो वहां खुली हवा नहीं होगी, जिससे संक्रमण फैलने की गुंजाइश अधिक रहेगी. खासकर उत्तर भारत में ठंडक के मौसम में मामले बढ़ने की आशंका अधिक रहेगी. कई देशों में रिसर्च से पता चला है कि हर्ड इम्युनिटी नहीं बनती है. तीन प्रतिशत, पांच प्रतिशत या 10 प्रतिशत ही एंटीबॉडीज का प्रिविलेंस है. हर्ड इम्युनिटी के लिए यह आंकड़ा 65 से 70 प्रतिशत तक आना चाहिए. वह कहीं पर भी नहीं है. अभी हमें मास्क पहनने और हाथ साफ रखने की आदत डालनी होगी. मास्क अच्छी क्वालिटी का, और कम से कम तीन परत का होना चाहिए. मास्क को ढंग से पहनना होता है. पूरी तरह से नाक और मुंह ढंका होना चाहिए. शारीरिक दूरी बनाकर रखें और किसी चीज को छूने से बचें. अगर बीमार हो जाते हैं या बुखार आ रहा है, तो घर से बाहर न निकलें. त्योहारों का सीजन आ रहा है, अगर इस समय एहतियात नहीं बरते, तो हम संक्रमित हो सकते हैं. अभी स्कूल और सिनेमाघर आदि खोलने की फैसले किये गये हैं. बच्चे सावधानी बरतें, इसके लिए परिजनों को सतर्क रहने की जरूरत है. बच्चे फेस मास्क को आपस में बदल लेते हैं, इससे स्वस्थ्य बच्चा भी संक्रमित हो सकता है. बच्चों को एहतियात बरतना सिखाना होगा. अब हमें इस परिस्थिति के अनुसार ढलने की जरूरत हैं, साथ ही हर वक्त सावधान भी रहना है।

सार समाचार .....

रोहन जेटली के डीडीसीए अध्यक्ष बनने का रास्ता साफ

नई दिल्ली: दिवंगत भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली के बेटे रोहन जेटली का दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) का अध्यक्ष बनना लगभग तय हो गया है। उनके खिलाफ नामांकन भरने वाले एकलौते उम्मीदवार ने भी अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे में रोहन जेटली निर्विरोध डीडीसीए की कमान संभालने के लिए तैयार हैं। जल्द ही आधिकारिक रूप से उनकी ताजपोशी हो जाएगी। डीडीसीए के पूर्व प्रमुख अरुण जेटली के बेटे रोहन जेटली को पहले से ही डीडीसीए के अधिकतर गुटों का समर्थन प्राप्त है। ऐसे में उनके अध्यक्ष बनने का रास्ता एकदम साफ हो गया है। बता दें कि 17 से 20 अक्टूबर को डीडीसीए के अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष सहित कुल छह पदों पर उपचुनाव होना है, लेकिन अब अध्यक्ष के पद पर चुनाव नहीं होगा, क्योंकि रोहन जेटली के अलावा सुनील कुमार गोयल ने नामांकन दाखिल किया था, लेकिन अब उन्होंने अपना नामांकन वापस ले लिया है। गौरतलब है कि वरिष्ठ टीवी पत्रकार रजत शर्मा के इस्तीफा देने के कारण दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन का अध्यक्ष पद खाली हो गया था। अब इस कुर्सी पर रोहन जेटली विराजमान होंगे और चुनाव नहीं होगा। कोषाध्यक्ष पद के लिए पूर्व बीसीसीआइ अध्यक्ष सीके खन्ना की पत्नी शशि खन्ना ने नामांकन भरा है। डीडीसीए के लोकपाल दीपक वर्मा द्वारा लोढ़ा समिति की सिफारिशों के उल्लंघन के कारण भाजपा विधायक ओपी शर्मा को हटाने के कारण कोषाध्यक्ष का पद खाली हुआ था। इसके अलावा चार निदेशकों का भी चुनाव होना है।

शाहरुख के सबसे बड़े फैन ने आतिशी पारी खेल कोलकाता को दिलाई जीत

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सीजन के 21वें मुकाबले में कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए जीत की राह तैयार करने वाले बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी शाहरुख खान के सबसे बड़े फैन निकले। चेन्नई के खिलाफ आतिशी अर्दशतक जमाने वाले बल्लेबाज को कप्तान दिनेश कार्तिक ने टीम के मालिक शाहरुख खान से मिलवाया और कहा भाई यह आपका सबसे बड़ा फैन।चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ बुधवार को पारी की शुरुआत करने वाले राहुल त्रिपाठी ने 51 गेंद पर शानदार 81 रन की पारी खेली। इस पारी के दौरान उन्होंने 8 चौके और तीन बेहतरीन छक्के लगाए। राहुल की इस पारी के लिए उनको प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। कोलकाता ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 167 रन का स्कोर खड़ा किया था जिसके जवाब में चेन्नई की टीम 5 विकेट पर 157 रन ही बना पाई। मैच के बाद कोलकाता के कप्तान दिनेश कार्तिक ने मैच के हीरो राहुल को टीम के मालिक शाहरुख खान के मिलवाया जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कार्तिक ने गैलरी से बैठकर मैच देख रहे शहरुख को आवाज देकर मैच के स्टार खिलाड़ी से मिलवाया। शाहरुख खान ने भी उपर से ही हाथ हिलाकर पहले राहुल त्रिपाठी का अभिनंदन किया और फिर उनको अपने अंदाज में फ्लाइंग किस देकर थैंक्यू कहा। कोलकाता नाइटराइडर्स के ट्विट पेज पर इस वीडियो को शेयर किया गया है। जिसमें राहुल को कार्तिक शाहरुख से मिलवाते नजर आ रहे हैं। कप्तान ने मैच देखने आए शाहरुख के साथ बैठे सभी लोगों का शुक्रिया कहा। उन्होंने उनका उत्साह बढ़ाने के लिए आने पर उन सभी को धन्यवाद कहते हुए आभार जताया।

चेन्नई सुपर किंग्स की आईपीएल 2020 में चौथी हार

नयी दिल्ली: इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सीजन का 21वां मुकाबला अबू धाबी के मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेला गया। इस मैच को कोलकाता की टीम ने 10 रन से जीत लिया। चेन्नई की टीम की आईपीएल 2020 में ये चौथी हार है, जबकि केकेआर की दूसरी जीत है। इस मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान दिनेश कार्तिक ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और राहुल त्रिपाठी के दमदार अर्धशतक के दम पर 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 167 रन बनाए।इस तरह चेन्नई सुपर किंग्स के सामने जीत के लिए 168 रन का लक्ष्य था, लेकिन टीम 20 ओवर खेलकर 5 विकेट खोकर 157 रन बना सकी और मुकाबला 10 रन से हार गई। पिछले चार मैचों में फ्लॉप हुए ओपनर सुनील नरेन को केकेआर ने डिमोट किया। उनकी जगह राहुल त्रिपाठी को ओपनर के तौर पर शुभमन गिल के साथ भेजा। राहुल त्रिपाठी तो जमे रहे, लेकिन इस बार शुभमन गिल 11 रन बनाकर शार्दुल ठाकुर की गेंद पर आउट हो गए। कोलकाता को दूसरा झटका नितीश राणा के रूप में लगा जो 9 रन बनाकर कर्ण शर्मा के शिकार बने। केकेआर को तीसरा झटका सुनील नरेन को रूप में लगा। नरेन 9 गेंदों में 17 रन बनाकर आउट हुए। उनको कर्ण शर्मा ने जडेजा के हाथों कैच आउट कराया, लेकिन ये कैच फाफ डुप्लेसिस के खाते में गया, क्योंकि आखिर में जडेजा ने गेंद फेंक दी थी। टीम को चौथा झटका इयोन मोर्गन के रूप में लगा जो सैम कुर्रन की गेंद पर धौनी के हाथों कैच आउट हुए।
आंद्रे रसेल 2 रन बनाकर शार्दुल ठाकुर की गेंद पर एम एस के हाथों लपके गए।

राहुल त्रिपाठी ने 81 रन की पारी खेल और ब्रावो की गेंद पर शेन वॉटसन के हाथों कैच आउट हुए। कप्तान दिनेश कार्तिक के रूप में टीम को सातवां झटका लगा। कार्तिक ने 12 रन बनाए और सैम कुर्रन की गेंद पर शार्दुल के हाथों कैच आउट हुए। आठवां विकेट नागरकोटी के रूप में गिरा जो ब्रावो की गेंद पर खाता भी नहीं खोल सके। 9वां विकेट शिवम मावी के रूप में गिरा। ये भी बिना खाता खोले ब्रावो का शिकार बने। आखिरी गेंद पर वरुण चक्रवर्ती एक रन बनाकर रन आउट हुए।

पंजाब के प्लेइंग इलेवन में होंगे बड़े बदलाव, मिस्ट्री स्पिनर की होगी प्लेइंग इलेवन में वापसी

नई दिल्ली: इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें एडिशन की धमाकेदार शुरुआत करने वाली टीम किंग्स इलेवन पंजाब इस वक्त पायदान पर सबसे नीचे खिसक गई है। 5 मैचों में से चार हारने के बाद अब टीम सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बड़े बदलाव के साथ उतर सकती है। टूर्नामेंट के 22 वें मुकाबले में दोनों टीमें आज शाम दुबई में आमने सामने होंगी। पिछले तीन मैचों में मिली हार के बाद किंग्स की टीम में दो बदलाव पक्के लग रहे हैं। अफगानिस्तान के मिस्ट्री स्पिनर मुजीब उर रहमान को क्रिस जॉर्डन की जगह मौका दिया जा सकता है तो वहीं गेंदबाज इशान पोरेल को हरप्रीत बरार की जगह प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जा सकता है। ओपनिंग में केएल राहुल और मयंक अग्रवाल की जोड़ी लय में है। मिडिल आर्डर में टीम को मनदीप सिंह, निकोलस पूरन और ग्लेन मैक्सवेल पर बड़ा स्कोर करने की जिम्मेदार रहेगी। सरफराज खान को भी मिल रहे मौके का फायदा उठाना होगा। गेंदबाजी में मुजीब उर रहमान को मौका मिल सकता है। उनके आने से रवि विश्नोई को काफी मदद मिलेगी। इशान पोरेल तेज गेंदबाजी आक्रमण में मोहम्मद शमी और शेल्डन कॉटरेल को मजबूती देंगे। हैदराबाद की बात करें तो डेविड वार्नर और जॉनी बेयरस्टो की आक्रामक ओपनिंग जोड़ी है। मिडिल आर्डर में मनीष पांडे, केन विलियमसन के अनुभव के साथ अभिषेक शर्मा और प्रियम गर्ग जैसे युवा मौजूद हैं। गेंदबाजी में राशिद खान के साथ युवा अब्दुल सदम है। तेज गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार को बाहर होने से फर्क जरूर पड़ा है लेकिन सिद्धार्थ कौल, टी नटराजन के साथ अनुभवी संदीप शर्मा मौजूद है। गेंदबाजों की नाकामी के कारण अब तक लचर प्रदर्शन करने वाली किंग्स इलेवन पंजाब और सनराइजर्स हैदराबाद इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) में गुरुवार को जब आमने-सामने होंगे तो उनका दारोमदार टीम के बल्लेबाजों पर टिका रहेगा। किंग्स इलेवन ने अब तक पांच में से चार मैच गंवाए हैं और सनराइजर्स ने तीन मैच हारे हैं और दो में उसे जीत मिली है। किंग्स इलेवन का मजबूत पक्ष उसकी सलामी जोड़ी है। कप्तान केएल राहुल शानदार फॉर्म में हैं एवं उन्होंने दो अर्धशतक और एक शतक लगाया है, जबकि मयंक अग्रवाल एक शतक और एक अर्धशतक लगा चुके हैं। इन दोनों ने अब तक बल्लेबाजी में मुख्य जिम्मेदारी निभाई है। निकोलस पूरन भी अच्छी भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन ग्लेन मैक्सवेल अब तक नहीं चल पाए हैं। अच्छी बल्लेबाजी के बावजूद किंग्स इलेवन को अपनी निराशाजनक गेंदबाजी के कारण हार मिली है। मुहम्मद शमी को छोड़कर उसका कोई भी अन्य गेंदबाज निरंतर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उसके गेंदबाज 223 रन के स्कोर का बचाव नहीं कर पाए। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में उसने 178 रन का लक्ष्य देने के बावजूद 10 विकेट से हार झेली। ऐसे में उसे अब सनराइजर्स का सामना करना है जिसके शीर्ष क्रम में जॉनी बेयरस्टो, डेविड वार्नर, मनीष पांडे और केन विलियमसन जैसे बल्लेबाज हैं। ये सभी किंग्स इलेवन के गेंदबाजों की कमजोरी का फायदा उठाना चाहेंगे।

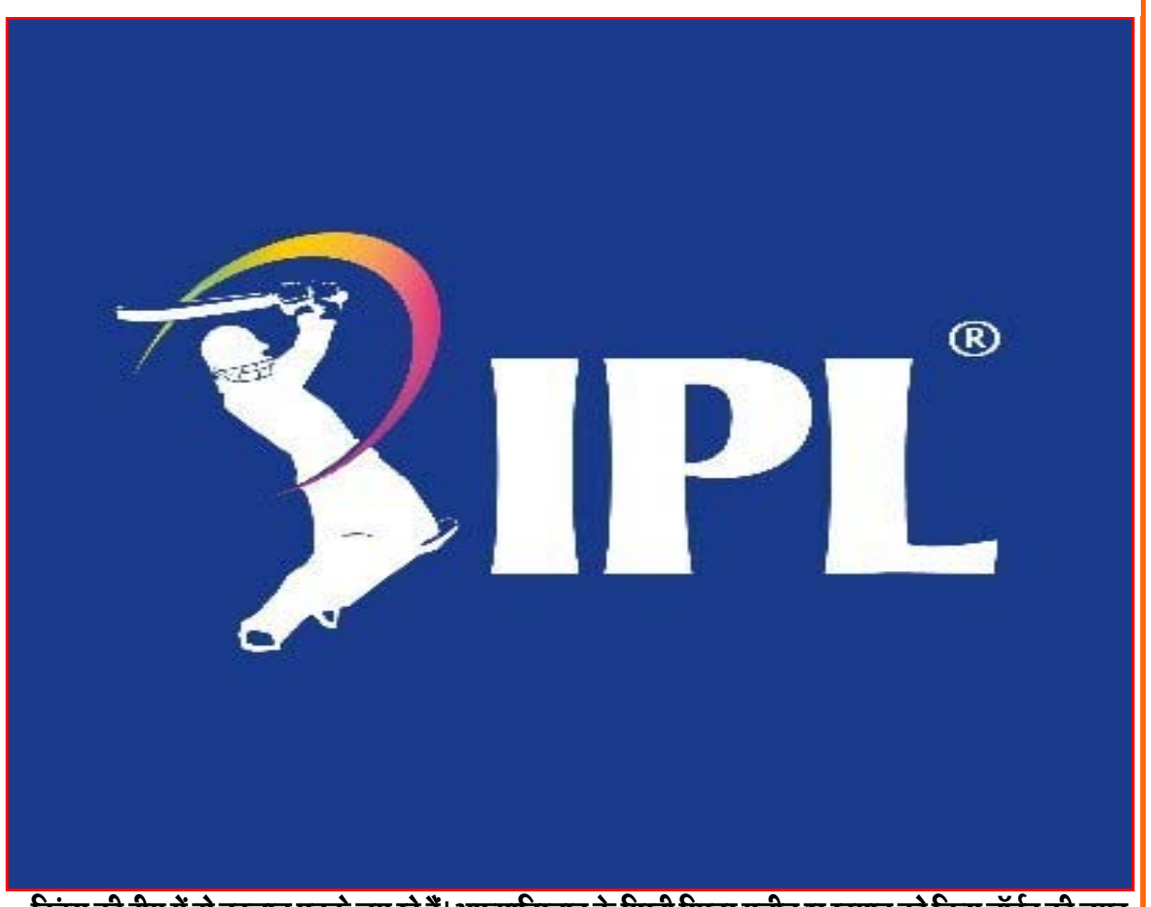

किंग्स की टीम में दो बदलाव पक्के लग रहे हैं। अफगानिस्तान के मिस्ट्री स्पिनर मुजीब उर रहमान को क्रिस जॉर्डन की जगह मौका दिया जा सकता है तो वहीं गेंदबाज इशान पोरेल को हरप्रीत बरार की जगह प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जा सकता है।

हैदराबाद की टीम का संभावित प्लेइंग इलेवन

डेविड वार्नर (कप्तान), जॉनी बेयरस्टो (विकेटकीपर) मनीष पांडे, केन विलियमसन, अभिषेक शर्मा, प्रियम गर्ग, अब्दुल सदम, राशिद खान, संदीप शर्मा, शिद्धार्थ कौल, टी नटराजन.

पंजाब की टीम का संभावित प्लेइंग इलेवन

केएल राहुल (कप्तान, विकेटकीपर), मयंक अग्रवाल, मनदीप सिंह, निकोलस पूरन, ग्लेन मैक्सवेल, सरफराज खान, मुजीब उल रहमान, रवि विश्नोई, इशान पोरेल, मोहम्मद शमी, शेल्डन कॉटरेल.

भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के कार्यक्रम से खुश नहीं प्रसारक

सिडनी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की प्रसारण भागीदार कंपनी सेवन वेस्ट मीडिया अपने वार्षिक शुल्क में कटौती को सुनिश्चित करने के लिए आधिकारिक पंचाट की मदद चाहती है और रिपोर्टों के अनुसार वह भारत के इस साल के आखिर में होने वाले ऑस्ट्रेलियाई दौरे के कार्यक्रम से नाखुश है। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड समाचार पत्र के अनुसार सेवन ने अंतरराष्ट्रीय और वाणियिक पंचाट के ऑस्ट्रेलियाई चैंबर (एसीआइसीए) में मामला पहुंचाकर सीए के साथ भुगतान को लेकर अपने विवाद को नई दिशा दे दी है। यह मीडिया नेटवर्क चाहता है कि गर्मियों में होने वाले मैचों के उचित मूल्य का निर्धारण कोई स्वतंत्र विशेषज्ञ करे। इन मैचों में भारत के खिलाफ होने वाली चार टेस्ट मैचों की सीरीज और बिग बैश लीग शामिल है। सेवन ने अपने कदम की सीए को लिखित में सूचना दी है। रिपोर्ट में कहा कि मीडिया नेटवर्क के दावों में सीए का भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज जनवरी के बजाय सत्र के शुरू में करना, मैचों की तिथियों में बदलाव, क्रिसमस से पहले केवल एक टेस्ट मैच और अंतिम टेस्ट जनवरी के मध्य में आयोजित करना शामिल है, जबकि लोग वापस काम पर लौट जाते हैं। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की पूर्व की रिपोर्ट के अनुसार बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच पूर्व की तरह 26 दिसंबर से मेलबर्न में शुरू होगा। इससे पहले एडिलेड ओवल में 17 दिसंबर से डे-नाइट टेस्ट मैच खेला जाएगा। सीए ने दूसरे और तीसरे टेस्ट मैच के बीच एक सप्ताह का अंतर रखने का बीसीसीआइ का अनुरोध स्वीकार कर लिया है। तीसरा टेस्ट मैच आमतौर पर दो जनवरी से शुरू होता है, लेकिन यह सात जनवरी से खेला जाएगा। चौथा और अंतिम टेस्ट मैच 15 जनवरी से ब्रिसबेन में खेला जाएगा। भारत टेस्ट मैचों से पहले सीमित ओवरों की सीरीज खेलेगा। वनडे मैच 26, 28 और 30 नवंबर को ब्रिसबेन में और टी-20 मैच चार, छह और आठ दिसंबर को एडिलेड में खेले जा सकते हैं। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, सीए के प्रवक्ता ने कहा, %सीए को सेवन से एक पत्र मिला और वह एसीआइसीए से जवाब का इंतजार कर रहा है। सीए महिला एवं पुरुष अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट के सफल और सुरक्षित आयोजन के लिए अपने भागीदारों के साथ मिलकर काम करना चाहता है।

टी20 क्रिकेट को और दिलचस्प बनाने के लिए सुनील गावस्कर ने की बदलावों की मांग

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व ओपनर बल्लेबाज सुनील गावस्कर के मुताबिक टी20 क्रिकेट इस वक्त काफी अच्छी स्थिति में है और इसमें किसी भी तरह के बदलाव की आवश्यकता नहीं है, लेकिन उन्होंने कहा कि इसमें एक ओवर में दो बाउंसर फेंकने की इजाजत दी जा सकती है। क्रिकेट के सबसे छोटो फॉर्मेट में बल्लेबाजों का दबदबा देखा गया है और गेंदबाजों के लिए कुछ ज्यादा नहीं होता। जब उनसे पूछा गया कि गेंदबाजों का दवाब करने के लिए क्या टी20 क्रिकेट में कुछ बदलाव करने की जरूरत है। इस सवाल के जवाब में गावस्कर ने कहा कि टी20 क्रिकेट में फिलहाल किसी भी तरह के बदलाव की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि ये प्रारूप बल्लेबाजों के अनुरूप है ऐसे में तेज गेंदबाजों को दो बाउंसर फेंकने की अनुमति दी जा सकती है साथ ही बाउंड्री थोड़ी बड़ी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले तीन ओवर में विकेट लेने वाले गेंदबाज को एक अतिरिक्त ओवर दिया जा सकता है लेकिन इस प्रारूप में कोई बदलाव की जरूरत मुझे नहीं लगती । नियमों के बारे में उन्होंने कहा कि टीवी अंपायर को यह जांचने का अधिकार होना चाहिये कि गेंदबाज के गेंद डालने से पहले सामने के छोर पर खड़ा बल्लेबाज क्रीज से बहुत बाहर तो नहीं आ गया है । गावस्कर ने कहा कि ऐसा होने पर गेंदबाज उस बल्लेबाज को गेंद डालने से पहले रन आउट कर सकता है। उन्होंने कहा कि टीवी अंपायर को लगता है कि 'नॉन स्ट्राइकर' छोर पर बल्लेबाज ज्यादा आगे आ गया है तो चौका होने पर भी एक रन काटने का दंड हो सकता है। उन्होंने आफ स्पिनर आर अश्विन की तारीफ की जिन्होंने आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच के दौरान आरोन फिंच को क्रीज से बाहर निकलने पर चेतावनी दी लेकिन यह भी कहा कि अगली बार वह रन आउट कर देंगे । उन्होंने कहा कि अश्विन ने ऐसा करके कोच रिकी पोंटिंग के प्रति सम्मान जताया जो इस तरहके विकेट को लेकर नाराजगी जता चुके थे ।इसके साथ ही उसने चेतावनी भी दे दी कि अब से कोई भी विकेट से बाहर निकलेगा तो वह रन आउट कर देंगे।

कार्तिक त्यागी ने अपनेआईपीएल डेब्यू को लेकर किया खुलासा

अबू धाबी: मुंबई इंडियंस के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के युवा तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी ने आइपीएल डेब्यू किया था। मुंबई के खिलाफ अबू धाबी में खेले गए मैच से आइपीएल में पदार्पण करने वाले कार्तिक त्यागी का कहना है वे अपने सीनियरों से सीख रहे हैं। उन्होंने कहा है कि मैचों के लिए किस तरह से तैयारी की जाती है और एक तेज गेंदबाज के रूप में मैच से पहले क्या-क्या करना जरूरी है। इसके लिए वह सीनियरों से लगातार जानने और सीखने की कोशिश कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के रहने वाले त्यागी अंडर 19 विश्व कप में भारतीय टीम रहने कार्तिक त्यागी ने अपनी गति और स्विंग से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था। इसी के दम पर आइपीएल 2020 के लिए दिसंबर 2019 में हुए ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने कार्तिक त्यागी को 1.3 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, त्यागी को आइपीएल का अपना पहला मैच खेलने के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ा और अपने आईपीएल डेब्यू मैच में उन्होंने चार ओवर गेंदबाजी की। त्यागी ने 36 रन देकर एक विकेट अपने नाम किया।कार्तिक त्यागी ने कहा है, मैं अब तक जितने भी सीनियर खिलाड़ियों से मिला हूं, उनसे यह जानने की कोशिश कर रहा हूं कि वे किस तरह से मैचों की तैयारी करते हैं। मैच से पहले वो क्या सोचते हैं और उनके दिमाग में क्या चल रहा है। मैं उनसे यह सीखने की कोशिश कर रहा हूं कि मैं कैसे कम से कम गलती कर सकता हूं। वहीं, अपने डेब्यू मैच के अनुभव के बारे में बात करते हुए कार्तिक त्यागी ने कहा,अपना पहला मैच खेलना मेरे लिए एक शानदार अनुभव था। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज से कैप हासिल करना मेरे लिए अद्भुत था।

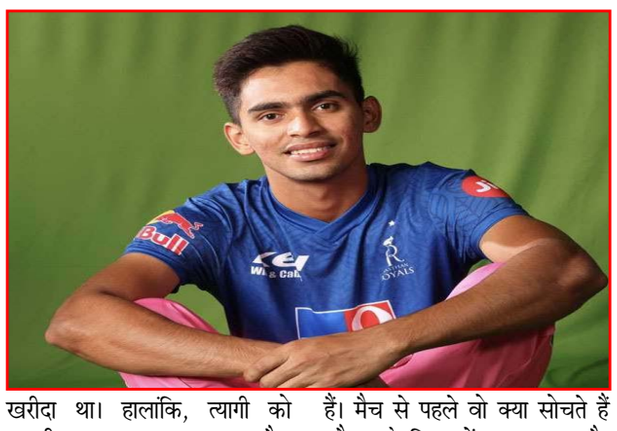

आईपीएल में अंक तालिका में मुंबई सबसे ऊपर, फिर भी कोच जयवर्धने प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं

अबूधामी | एजेंसी।

आइपीएल 2020 में छह मैचों से चार जीत दर्ज कर मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस की टीम अंक तालिका में पहले नंबर पर है। इसके बाद भी टीम के कोच महेला जयवर्धने टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं हैं। जयवर्धने का कहना है कि लगातार दूसरे खिताब के लिए उनकी टीम को कई क्षेत्रों में सुधार करने की जरूरत है। मुंबई ने मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स को 57 रनों से हराकर टूर्नामेंट में तीसरी जीत दर्ज की। जयवर्धने ने टीम के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से पोस्ट किए गए वीडियो में कहा कि अभी हमने निरंतर प्रदर्शन किया है। गेंद और बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए, चीजें ठीक चल रही हैं, लेकिन हम अभी भी सुधार कर सकते हैं। कुछ क्षेत्रों में हमें सुधार की दरकार है। हमें यह सुनिश्चित करने की जरुरत है कि हर दिन हर खिलाड़ी का मैच पर ध्यान केंद्रीत है। राजस्थान के खिलाफ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने नई गेंद से शानदार गेंदबाजी की। मुंबई ने चार विकेट पर 193 रन बनाए थे। जवाब में मुंबई ने बुमराह की गेंदबाजी के दम पर राजस्थान की टीम को 136 रन पर ही रोक दिया। जयवर्धने ने बुमराह को लेकर कहा कि हमारी कुछ योजनाएं थीं, इस खेल में एक अलग रणनीति थी।बुमराह को शुरू में इस्तेमाल करना उस रणनीति का हिस्सा था। विकेट से थोड़ी मूवमेंट थी। जब हम बल्लेबाजी कर रहे थे तो हमें इसके बारे में पता चला और हमने सोचा कि हम इसका फायदा उठाएंगे। जयवर्धने ने कहा कि नई गेंद से ट्रेंट बोल्ट और बुमराह असाधारण दिखे। जेम्स पैटिनसन ने भी अच्छी गेंदबाजी की और स्पिनरों बहुत अच्छा काम किया। इसलिए मैं टीम की प्रदर्शन से काफी काफी खुश हूं। उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार यादव (79) ने एक जिम्मेदार पारी खेली। मुंबई का यह बल्लेबाज पहले के मैचों में आउट होने के बाद काफी परेशान था।

राहुल त्रिपाठी ने खेली 81 रन की पारी

दुबई, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आइपीएल के 21वें मैच में ओपनिंग करने उतरे राहुल त्रिपाठी ने अपनी टीम के लिए काफी महत्वपूर्ण पारी खेली। राहुल की पारी ने टीम के स्कोर को 167 तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई और सबसे कमाल की बात ये रही कि उन्होंने एक छोर को संभाले रखा जबकि दूसरी तरफ केकेआर के बल्लेबाज आते-जाते रहे। इस मैच में केकेआर का कोई भी बल्लेबाज राहुल के अलावा 20 रन के स्कोर तक भी नहीं पहुंच पाया। केकेआर के खिलाफ एक तरफ जहां सीएसके के गेंदबाज कहर बरपा रहे थे तो वहीं वो बड़ी ही दिलेरी के साथ उन गेंदबाजों का सामना कर रहे थे। उन्होंने 51 गेंदों पर 81 रन की पारी खेली जिसमें 8 चौके व 3 छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 158.82 का रहा। वहीं इस टीम में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर सुनील नरेन व पैट कमिंस रहे और इन दोनों के बल्ले से 17-17 रन निकले। कमिंग 17 रन बनाकर नाबाद रहे। राहुल त्रिपाठी ने इस मैच में टीम के लिए ओपन किया और उन्होंने अपना विकेट 17वें ओवर की पांचवीं गेंद पर गंवाया। उन्हें डीजे ब्रावो ने शेन के हाथों कैच करवा दिया और वो जिस वक्त आउट हुए उस समय टीम का स्कोर 160 रन था। केकेआर की तरफ से शुभमन गिल 11 रन, नीतिश राणा 9 रन, सुनील नरेन 17 रन, इयोन मोर्गन 7 रन, आंद्र रसेल 2 रन, कप्तान दिनेश कार्तिक 12 रन, पैट कमिंस नाबाद 17 रन, वरुण चक्रवर्ती एक रन बनाए जबकि कमलेश नागरकोटी व शिवम मावी अपना खाता भी नहीं खोल पाए। केकेआर की तरफ से राहुल ने 81 रन, अतिरिक्त के 10 रन जबकि अन्य बल्लेबाजों ने मिलकर 76 रन का योगदान दिया। इस टीम ने सीएसके के खिलाफ 20 ओवर में 167 रन बनाए। राहुल ने अपने आइपीएल करियर का छठा अर्धशतक लगाया। केकेआर की तरफ से यूएई में राहुल ने सबसे बड़ा स्कोर बनाया और जैक कैलिस को पीछे छोड़ दिया।

क्या नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत का हो गया है रोका?

नई दिल्ली,आरएनएस। सेल्फी क्वीन बॉलीवुड सिंगर नेहा कक्कड़ हमेशा ही सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। नेहा कभी अपने गानों तो कभी अपनी हॉट तस्वीरों की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। इसी बीच नेहा कक्कड़ एक बार फिर चर्चा में आईं हैं। इस बार वह रोहनप्रीत सिंह संग शादी की खबरों को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। बीते कुछ दिनों से नेहा और रोहनप्रीत को लेकर कई खबरें सामने आ रही हैं। हालांकि दोनों की तरफ से ही उनके रिश्ते को लेकर कोई कमेंट नहीं आया है। इसी बीच दोनों स्टार्स की एक तस्वीर वायरल हो रही है। इस तस्वीर को देखकर फैंस कयास लगा रहे हैं कि उनका रोक हो गया है।संगर नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत की वायरल हो रही फोटो को एक फैन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इस तस्वीर में नेहा और रोहनप्रीत सोफे पर बैठे हुए हैं नजर आ रहे हैं। वहीं नेहा के हाथ में बैग के साथ कुछ गिफ्ट जैसा नजर आ रहा हैं। नेहा इस दौरान कैजुअल लुक में नजर आ रही हैं। वहीं तस्वीर में नेहा और रोहनप्रीत के साथ 2 लोग और नजर आ रहे हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि ये दोनों रोहनप्रीत के पैरेंट्स हैं।आपको बता दें कि हाल ही में नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंह का एक वीडियो सामने आया था। इस वीडियो को खुद रोहनप्रीत ने अपने इंस्टाग्राम आकाउंट पर शेयर किया था। वीडियो के बैकग्राउंड में लई दो छल्ला छल्ला डायमंड दा छल्ला लई दो हाँ जी... गाना बज रहा था। वहीं रोहन एक रिंग नेहा के हाथ में पहनते हुए नजर आते हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद ही दोनों की सगाई की खबरें सोशल मीडिया पर गरमाई थीं। दोनों को लेकर खबरें तो यहां तक सामने आईं कि नेहा और रोहनप्रीत इस महीने शादी करने वाले हैं। हालांकि इस खबर की कोई आधिकारिक पुष्टी नहीं हुई है।

बेटी के जेल से बाहर आने पर बोलीं रिया की मां, 'मेरी बेटी अब इन सबसे कैसे उबरेगी?'

नई दिल्ली, वार्ता। सुशांत सिंह राजपूत के डेथ केस की जांच के दौरान नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा गिरफ्तार की गईं बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को बुधवार को पूरे एक महीने बाद बॉम्बे हाई कोर्ट से जमानत मिल गयी। रिया के लिए सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि उच्च न्यायालय ने अपने फ़ैसले में माना कि जांच में रिया का ड्रग सिंडिकेट से कोई कनेक्शन साबित नहीं हो सका है। रिया के बेल मिलने के बाद तमाम बॉलीवुड सेलेब्स ने उनका खुलकर समर्थन किया और कोर्ट के फैसले का सम्मान किया। अब रिया की मां ने भी इस फैसले का सम्मान करते हुए रिया को एक योद्धा बताया है। लेकिन अपनी बेटी के लिए फिक्र भी ज़ाहिर की है।रिया की मां संध्या चक्रवर्ती ने टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए कहा, 'जिन चीज़ों से वो निकली है, अब वो उन सबसे कैसे उभरेगी? लेकिन वो एक फाइटर है, उससे मजबूत रहना होगा। मुझे उसकी थैरेपी करवानी पड़ेगी ताकी वो इस ट्रॉमा से बाहर निकल सके और जिंदगी को दोबोरा जी सके'। रिया की मां ने माना की कानूनी लड़ाई बहुत लंबी चलने वाली है। संध्या ने कहा, 'इस बात का सुकून है कि वो जेल से बाहर आ गई है, लेकिन लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। मेरा बेटा अभी भी जेल में है, मैं ये सोचकर पागल हो जाती हूं कि कल का दिन हमारे लिए क्या लाएगा?। मेरे पति आखिरी बार ईडी ऑफिस जाने के लिए बाहर निकले थे, जब वो वहां से वापस आ रहे थे तो उनका पीछा किया गया। अब जब भी दरवाज़े की घंटी बजती है तो डर लगता है कि कौन होगा, सीबीआई या रिपोर्टर? इसलिए हमने घर के बाहर सीसीटीवी लगवा लिया है, ताकी बाहर कौन आया है हमें ये पता चल सके'। रिया की मां बने बताया कि इतने दिन में ठीक से सो नहीं पाई हैं, न ही ठीक से खा पाई हैं। उनके पूरे परिवार को तबाह कर दिया गया है। कई बात तो उन्हें आत्महत्या करने का ख्याल भी आया।

रेखा चक्रवर्ती ने जेल से घर आकर मां-बाप से कहा हमारी ज़िंदगी तबाह कर दी

नई दिल्ली,वार्ता। बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को बॉम्बे हाइकोर्ट की तरफ से ज़मानत मिल गई है और वो कल रात यानी 7 अक्टूबर को अपने घर वापस आई हैं। रिया को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने सुशांत सिंह राजपूत केस में ड्रग एंगल सामने आने के बाद गिरफ्तार किया था। रिया करीब एक महीने मुंबई भायखला जेल में बंद थीं। लेकिन अब बॉम्बे हाईकोर्ट की तरफ से जमानत मिल गई है। रिया के घर आने के बाद उनकी मां संध्या चक्रवर्ती का गुस्सा मीडिया और लोगों पर फूटा है।टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में रिया की मां अपना गुस्सा और दुख दोनों ज़ाहिर करते हुए बताया है कि कैसे इन महीनों में उनके पूरे परिवार की ज़िंदगी तबाह हो गई। संध्या चक्रवर्ती ने कहा, 'हमें अपने बेटी पर फक्र है उसने अपनी गरिमा को बनाए रखा, जब्कि उसके साथ न जाने कैसा कैसा व्यवहार किया गया। बल्कि जब वो घर आई उसने हमें देखा और बोली 'आप लोग इतने दुखी क्यों लग रहे हैं?हमें मजबूत रहकर लड़ना होगा'। लेकिन हम किससे लड़ रहे हैं? पब्लिक को संतुष्ट करने के लिए किसी को गिरफ्तार करना था, और रिया ने इसकी कीमत चुकाई। किसी ऐसे व्यक्ति से प्यार करने और उसकी देखभाल करने के लिए जिसे उसने खो दिया था और फिर इसके लिए उसे पूरे शहर में घसीटा गया'।मां ने बताया, मैं सो नहीं पाती थी, खा नहीं पाती थी क्योंकि मेरे बच्चे जेल में थे। मैं घर पर परेशान रहती थी, आधी रात को उठकर बैठ जाती थी। मेरा परिवार बर्बाद हो गया है। ऐसा वक्त तो ऐसा भी आया जब मुझे आत्महत्या के खयाल आने लगे थे। आपको बता दें कि रिया को बेल तो मिल गई है उसके साथ राहत की बात ये है कि कि उच्च न्यायालय ने अपने फ़ैसले में माना कि जांच में रिया का ड्रग सिंडिकेट से कोई कनेक्शन साबित नहीं हो सका है।

शूटिंग पर वापस लौटे एक्टर यश, कहा- लहरों को रोक नहीं सकते, लेकिन उस पर कर सकते हैं यात्रा

नई दिल्ली, आरएनएस। पिछले कुछ समय से साथउ इंडिया में बनने वाली फ़िल्में उत्तर भारत में तहलका मचा रही हैं। रजनीकांत, नागर्जुन और कमल हासन के बाद अब नए दौर के नए सुपरस्टार आ चुके हैं। इनमें प्रभास और यश कुछ सालों में तेजी से उभरकर सामने आए हैं। यश की फ़िल्म केजीएफ को खूब लोकप्रियता मिली। साल 2018 में इसके किरदार रॉकी को खूब सराहा गया। अब केजीएफ 2 की तैयारी शुरू हो गई है।कोरोना काल से पहले केजीएफ 2 को शूटिंग शुरू हो गई थी। यश के अलावा संजय दत्त और तब्बू जैसे एक्टर्स ने और भी दिलचस्पी जगा दी है। लेकिन फिल्म की अगली कड़ी की शूटिंग पर हालिया महामारी के कारण ब्रेक लग गया था। हालांकि,अब लॉकडाउन में दी गयी ढील दे दी गई है। इसके बाद कई फ़िल्मों काम शुरू हो गया है। ऐसे में यश भी केजीएफ 2 की शूटिंग शुरू कर दी है।पिछले कुछ दिनों से यश सेट पर वापसी के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इसके बाद उन्होंने इसकी जानकारी अपने फैंस को दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर एक फोटो साझा की है। यश खुद की फोटो शेयर करते हुए लिखा- %लहरों को रोका नहीं जा सकता है। लेकिन आप इस पर यात्रा करना सीख सकते हैं। एक लंबे ब्रेक के बाद... रॉकी सेट का आज यात्रा करेगी। यश ने जो फोटो साझा की उसमें वह सफेद शर्ट में नज़र आ रहे हैं। साथ ही साथ वह सागर की लहरों को निहार रहे हैं। बता दें, केजीएफ 2 में एक बार फिर यश रॉकी की भूमिका में दिखेंगे। वहीं, संजय दत्त इस फिल्म में अधीरा का किरदार निभाते हुए नज़र आएंगे। लेकिन संजय दत्त इस वक्त बीमार हैं और इलाज़ करवा रहे हैं। उनके हिस्से की शूटिंग बची है। अब देखना है कि वे सेट पर कब वापसी करते हैं। फैंस को इस फ़िल्म का बेसब्री से इंतज़ार है। उम्मीद है कि इसे साल 2021 में रिलीज़ कर दिया जाए।

हॉलीवुड एक्ट्रेस सलमा हायेक ने मां लक्ष्मी पर लिखी ऐसी पोस्ट, बिपाशा बसु ने कहा- शानदार

नई दिल्ली। भारतीय संस्कृति और सभ्यता सदियों से पश्चिम को प्रभावित करती आयी है। योग इसकी सबसे बड़ी मिसाल है, जो आज दुनिया के कई देशों में लाइफ़स्टाइल का एक अहम हिस्सा बन चुका है। तमाम हॉलीवुड सेलेब्रिटीज़ योग और ध्यान के ज़रिए अपनी सेहत का ख्याल रखते हैं। ऐसे में मशहूर एक्ट्रेस सलमा हायेक ने ट्विटर पर योग और मां लक्ष्मी को लेकर ऐसी बात कही है, जो बेहद खूबसूरत है। सलमा की यह पोस्ट वायरल हो रही है। दरअसल, सलमा ने लक्ष्मी जी को अपनी आंतरिक सुंदरता की प्रेरणा देने वाला कहा है। सलमा ने इंस्टाग्राम पर लिखी पोस्ट में कहा- जब मैं अपनी आंतरिक सुंदरता से जुड़ना चाहती हूं तो मैं लक्ष्मी देवी पर फोकस करके योग करती हूं, जो हिंदू धर्म में धन, सौभाग्य, प्रेम, सुंदरता, माया, आनंद और समृद्धि का प्रतीक मानी जाती हैं। उनकी छवि मुझे आनंद देती है और आनंद आपकी आंतरिक सुंदरता का सबसे महान द्वार है। सलमा ने इस बात को अपनी मातृ-भाषा मैक्सिकन में भी लिखा है और मां लक्ष्मी की एक फोटो भी पोस्ट की है।सलमा की इस पोस्ट को खूब पसंद किया जा रहा है। इसे 85 हज़ार से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं। वहीं बॉलीवुड एक्ट्रेस बिपाशा बसु ने कमेंट में लिखा- ज़बरदस्त। फ़िल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री ने ट्विटर पर शेयर करके लिखा- लगता है कि सलमा हायेक अरबन नक्सलों या जेएनयू, जाधवपुर गैंग से अभी तक मिली नहीं हैं। सलमा हायेक मैक्सिकन-अमेरिकन एक्ट्रेस हैं, जो दुनियाभर में अपनी खूबसूरती के लिए विख्यात हैं। 2020 में सलमा लाइक ए बॉस और द रोड्स नॉट टेकन में नज़र आ चुकी हैं। सलमा को अधिकांश लोग उनकी 2003 की फ़िल्म वन्स अपॉन ए टाइम इन मैक्सिको के लिए पहचानते हैं, जिसमें एंटोनियो बेंडरास लीड रोल में थे। वैसे, हिंदू धर्म हॉलीवुड को हमेशा से प्रभावित करता रहा है।

श्वेता तिवारी ने ऐसे मनाया बेटी पलक तिवारी का मनाया 20 वां जन्मदिन

नई दिल्ली। फिल्म अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी गुरुवार को 20 साल की हो गईं हैद्य श्वेता ने बेटी के जन्मदिन से जुड़ी कई तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की है अभी कुछ दिनों पहले टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी को बेटी पलक तिवारी के साथ अपना जन्मदिन मनाते हुए देखा गया था, श्वेता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इसकी झलक भी शेयर की थीं।आज श्वेता की बेटी पलक का जन्मदिन है और श्वेता ने अपनी बेटी के जन्मदिन को खास बनाने के लिए इंस्टाग्राम अकाउंट पर बेटी की कुछ प्यारी और अच्छी तस्वीरें शेयर कीं और बेटी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। पलक को अपना लकी चार्म बताते हुए श्वेता ने पलक को एक बड़े दिल वाली बदमाश लड़की के रूप में बताया हैश्वेता ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, %मेरी लकी चार्म को जन्मदिन की बधाई, वह एक बड़े दिल वाली बदमाश लड़की है। श्वेता ने कुछ तस्वीरें भी शेयर कीं है इसमें मां-बेटी की जोड़ी को मुंबई में एक जगह से दूसरी जगह घूमते हुए देखा जा सकता है। वह एक मॉल से वरली समुद्र तट पर हवा का आनंद लेते हुए नजर आ रही हैद्य इस तरह उन्होंने पलक का जन्मदिन मनाया। पलक 20 साल की हो गई है वह श्वेता तिवारी और राजा चौधरी की बेटी है।

सीरियसली... बहुत कुछ कहती है नवाज़उद्दीन सिद्दीक़ी की सीरियस मेन

नई दिल्ली। सुधीर मिश्रा की फ़िल्म सीरियस मेन मुख्य रूप से दो घाटालों यानि स्कैम्स की कहानी है। एक स्कैम अंतरिक्ष में एलियन माइक्रोब्स की खोज के नाम पर हो होता है, जिसे एक बेहद मशूहर स्पेस साइंटिस्ट अंजाम देता है, जो जाति से ब्राह्मण है। दूसरा घोटाला धरती पर अपने वजूद को साबित करने के लिए एक पिता करता है, जो दलित समुदाय से है। इन दोनों घोटालों के बीच सदियों से चले आ रहे जातिगत भेदभाव से निकलने की छटपटाहट और गगनचुम्बी इमारतों में रहने वाले एलीट क्लास के स्टेटस का पीछा करने की व्याकुलता सीरियस मेन के ड्रामे का सार है।फ़िल्म शुक्रवार को नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ हो गयी और इसके साथ नवाज़ ने नेटफ्लिक्स के साथ अपनी हेट्रिक पूरी कर ली, जिसकी शुरुआत चर्चित और विवादित वेब सीरीज़ सेक्रेड गेम्स से हुई थी।

ऊधम मचाने आ रही है जूही असलम

मुम्बई। ''गुड़िया हमारी सभी पे भारी'' में टेलीविजन स्टार, जूही असलम ने अपने शानदार अभिनय से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने हमेशा ही अपने दर्शकों और प्रशंसकों का दिल जीता है और उनकी तारीफ पाई है। करीब दो साल के अंतराल के बाद, जूही एण्डटीवी के शो 'गुड़िया हमारी सभी पे भारी' में वंदना के रूप में यादगार एंट्री करने के लिए बिलकुल तैयार है। वंदना की शख्सियत आप सभी को उत्साहित कर देगी और उसका जोश एवं सामर्थ्य निश्चित रूप से शो में एक रोमांचक ट्विस्ट लेकर आएगा। कभी भी एक जगह नहीं टिकना, हमेशा परेशान रहना और दूसरों के लिए भी मुश्किलें पैदा करना वंदना का लक्ष्य रहा है। वह शॉर्ट टर्म मैमोरी लॉस से जूझ रही है। छोटी हाईट और अपने मस्तमौला व्यवहार के साथ, वह अपनी मासूम सी हरकतों से कई लोगों को बेवकूफ बनाने में माहिर है, लेकिन इस बम से सावधान रहें क्योंकि यह कभी भी फट सकता है, और आपको परेशानी में डाल सकता है! वह अधिकतर चीजों को भूल जाती है और फिर अचानक अप्रत्याशित रूप से वे बातें उसे याद आ जाती हैं। इससे भ्रम और मतभेद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। वह सरला (समता सागर) की रिश्तेदार होगी जो अपनी मां के साथ गुप्ता परिवार के साथ रहने आई है। अपनी खुशी व्यक्त करते हुए वंदना उर्फ जूही असलम ने कहा, ष्मैं टेलीविजन पर एक लंबे समय के बाद लौटने और एण्डटीवी के शो गुड़िया हमारी सभी पे भारी में वंदना की भूमिका निभाने के लिए बहुत ही ज्यादा उत्साहित हूं। वंदना सरला की रिश्तेदार है और गुप्ता परिवार के साथ रहने के लिए आई है। इसका कारण यह है कि वंदना को उसके अपने शहर में कुछ लोग परेशान कर रहे थे। हालांकि अपनी शॉर्ट टर्म मेमोरी लॉस के कारण उसे किसी का भी नाम और चेहरा याद नहीं रहता है।

उसे जल्द ही एक लड़के के प्यार हो जाएगा और उस लड़के से उसकी शादी कराने के लिये पूरा गुप्ता परिवार एकजुट होगा। यह एक मजेदार किरदार है और उसका अपना एक अनोखा अंदाज है। मैं काफी रोमांचित हूं, और मुझे यकीन है कि वंदना की हरकतों को देखकर दर्शकों को भी बहुत मजा आएगा और वे हंस-हंस कर लोट-पोट हो जाएंगे। यह सफर हंसी से भरपूर होने वाला है। जूही असलम को 'गुड़िया हमारी सभी पे भारी' में वंदना के रूप में देखिये, हर सोमवार से शुक्रवार रात 9.30 बजे सिर्फ एण्ड टीवी पर!

सिद्धार्थ शुक्ला और निक्की तंबोली की नजदीकियों पर इस एक्टर को आया गुस्सा, कहा- दुनिया जानती है कि वो...

नई दिल्ली,वार्ता। बिग बॉस-14 शुरू होते ही चर्चा में आ गए है। शो में हर पर एक नया ट्विस्ट देखने को मिल रहा है। घर में एक बार फिर दर्शकों को झगड़ा, रोमांस और ड्रामा देखने को मिल रहा है। वहीं पिछली बार की तरह इस बार भी सिद्धार्थ शुक्ला शो में सुर्खियों बटोर रहे हैं। सिद्धार्थ पिछले शो में अपने एंग्री नेचर और शहनाज गिल संग अफेयर की खबरों को लेकर चर्चा में रहे थे। इस बार सिद्धार्थ शुक्ला साउथ इंडियन एक्ट्रेस निक्की तंबोली संग फ्लर्टिंग नेचर को लेकर चर्चा में हैं। दोनों को लेकर कई तस्वीरें और वीडियो भी सामने आ रहे हैं। लेकिन निक्की और सिद्धार्थ के बीच की ये नजदीकियां किसी को रास नहीं आ रही है। ये कोई और नहीं बल्कि एक्टर अली गोनी हैं। अली गोनी ने सिद्धार्थ शुक्ला और निक्की तंबोली के बीच की बॉन्डिंग के लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। इस पोस्ट में निक्की के लिए अली गोनी के गुस्से को साफ देखा जा सकता हैं। एक्टर अली गोनी ने सिद्धार्थ शुक्ला और निक्की तंबोली को लेकर अपने ट्विटर अकाउंट पर एक ट्वीट किया है। इस ट्वीट में अली ने लिखा, %और यह लड़की तंबोली। मुझे नहीं पता कि वह इन सबके साथ क्या साबित करना चाहती है। जबकि पूरी दुनिया जानती है कि शहनाज, सिद्धार्थ से कितना प्यार करती है और मुझे लगता है कि वह भी उससे प्यार करता है। लेकिन एक बतौर अभिनेता के गेम खेल रहा है, इसलिए ही वह वहां है। कोई सेल्फ रिस्पेक्ट नाम की चीज होती है बहन। अली गोनी को ये ट्वीट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस पोस्ट पर फैंस के लगातार कमेंट्स कर रहे हैं। बता दें कि पिछले सीजन दर्शकों ने सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल के बीच की केमेस्ट्री को खूब पसंद किया था। शो के दौरान ही फैंस ने इस खूबसूरत जोड़ी को सिडनाज नाम दिया था। शो के बाद भी दोनों ने कई प्रोजेक्ट्स पर एक साथ ?काम किया।

क्या टेरेंस लुईस ने गलती से नोरा फतेही को गलत तरीके से किया था टच?

नई दिल्ली। कोरियोग्राफर टेरेंस लुईस और नोरा फतेही एक वीडियो कुछ दिन पहले वायरल हुआ था। उस वीडियो में टेरेंस नोरा की बैक को टच करते नज़र आ रहे थे। उस वीडियो के वायरल होने के बाद टेरेंस को काफी ट्रोल किया गया था। हालांकि उस दौरान टेरेंस ने नोरा के साथ इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर ट्रोलर्स को इशारों-इशारों में मुंहतोड़ जवाब दिया था, लेकिन अब टेरेंस ने उस वीडियो पर खुलकर रिएक्शन दिया है। टेरेंस का कहना है कि वो नोरा का बहुत सम्मान करते हैं, उस वीडियो को देखकर वो बिल्कुल परेशान नहीं हुए थे।बॉलीवुड लाइफ से बात करते हुए टेरेंस ने कहा, 'सच कहूं तो मैंने जब पहली बार ये वीडियो देखा था तो मैं बिल्कुल भी परेशान नहीं हुआ था। कोई भी समझदार व्यक्ति उस वीडियो को देखकर बता देगा कि वो एडिटेड वीडियो था, उमसें स्पेशल इफेक्ट्स डाले गए थे। आज के वक्त में हर सेलेब्रिटी के ऊपर मीम बनाए जा रहे हैं, ये सब शरारती मीमर का काम होता है, लेकिन मुझे फर्क नहीं पड़ता। हालांकि, मैं चार-पांच घंटे के अंदर ही सोशल मीडिया पर ट्रोल होने लगा था, मेरे लिए काफी नेगेटिव कमेंट्स किए जा रहे थे। लेकिन मेरे पास 1.5 मिलियन फॉलोअर्स हैं जो काफी समझदार हैं। हां लेकिन ट्रोलिंग के दौरान जो भाषा मेरे लिए इस्तेमाल की जा रही थी वो की अपमानजनक थी। मेरे फैंस ट्रोलर्स से फाइट करने लगे तब मैंने नोरा के साथ वो पोस्ट डालने का फैसला किया। टेरेंस ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की थी जिसमें उन्होंने एक्ट्रेस को अपनी बाहों में उठा रखा है। इस फोटो पर कमेंट करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा था, 'थैंक्यू टैरेंस...सोशल मीडिया के इस वक्त में जहां वीडियो के साथ छेड़छाड़ की जाती है, मीम बनाने केलिए फोटोज़ को फोटोशॉप कर दिया जाता है। मैं खुश हूं कि आप इन सबको खुद को परेशान नहीं करने देते। ये भी गुज़र जाएगा। आप और गीता मैम ने मुझे बहुत सम्मान दिया है। एक जज के तौर पर मुझे अपनाया और ढेर सारा प्यार दिया। ये ज़िंदगी का एक बेहतरीन तजुर्बा रहेगा।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक
स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- कंचन सोलंकी
TITLE CODE- UPHIN48974
Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com
नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।